दैनिक समाचार पत्र

देश का दर्पण न्यूज

राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, हरियाणा, दिल्ली व महाराष्ट्र से प्रकाशित

अब आपके मोबाइल पर डिजिटिल अखबार
प्रदेश के ताजा समाचार
अपने लेख एवं समचार भेंजे

सम्पादक : उमेन्द्र राजपूत
7014997449, 9636058201
Email : deshkadarpannews@gmail.com
web.: www.deshkadarpannews.co

वर्ष-4, अंक-218 | जयपुर, रविवार, 19 अप्रैल, 2026 | मूल्य : 5.00 पेज:

नारी सब भूल जाती है, अपमान नहीं भूलती, कांग्रेस ने बड़ा पाप कर दिया: मोदी

महिला आरक्षण बिल पास नहीं हुआ, माफी मांगता हूं: पीएम मोदी, विपक्ष ने आधी आबादी का अधिकार छीना, उन्हें इस पाप की सजा मिलेगी

नई दिल्ली/एजेंसी
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को महिला आरक्षण पर देश को 30 मिनट संबोधित किया। उन्होंने कहा, 'इस बिल में संशोाधन नहीं हो पाया। मैं सभी माताओं-बहनों से माफी मांगता हूं।' उन्होंने कहा, 'मेरे लिए देशहित सर्वोपरि है, जब कुछ लोगों के लिए दल हित सबकुछ हो जाता है, दल हित देश हित से बड़ा हो जाता है। तो नारी शक्ति को ही इसका खामियाजा उठाना पड़ता है।' पीएम ने कहा कि कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके जैसे विपक्षी दल इस भ्रूणहत्या के गुनहगार हैं। ये देश के संविधान के अपराधी हैं। नारी शक्ति के अपराधी हैं। जिन लोगों ने आधी आबादी का अधिकार छीना, उन्हें इस पाप की सजा मिलेगी। लोकसभा में शुक्रवार को महिला आरक्षण से जुड़ा संविधान (131वां संशोधन) बिल पास नहीं हो सका था। इस बिल में लोकसभा सीटों को 543 से बढ़ाकर 816 करने और महिलाओं को 33% आरक्षण देने का प्रस्ताव था।

महिलाओं के सपने को कुचल दिया
आज भारत का हर नागरिक देख रहा है कि कैसे भारत की नारी शक्ति की उड़ान को रोक दिया गया। उनके सपनों को बेरहमी से कुचल दिया गया।

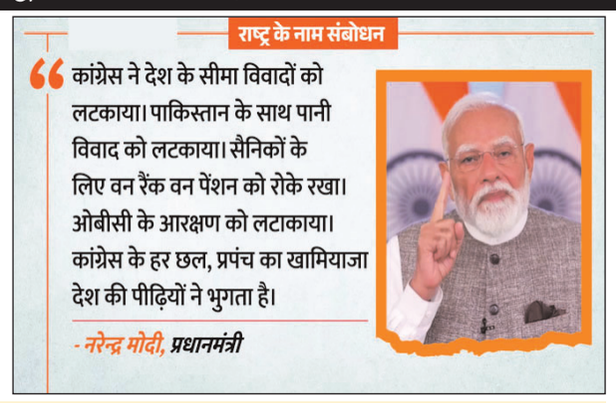

विपक्ष ने मेजें थपथपाई
कांग्रेस, डीएमके, टीएमसी और समाजवादी पार्टी जैसे दलों की स्वार्थी राजनीति का नुकसान देश की नारी शक्ति को उठाना पड़ा है। कल देश की करोड़ों महिलाओं की नजर संसद पर थी। देश की नारी शक्ति देख रही थी। मुझे भी ये देखकर बहुत दुख हुआ कि जब ये नारी हित का प्रस्ताव गिरा तो कांग्रेस, डीएमके, टीएमसी, सपा जैसी परिवारवादी पार्टियां खुशी से तालियां बजा रही थीं। महिलाओं से उनके अधिकार छीनकर ये लोग मेजें थपथपा रहे थे।

राष्ट्र के नाम संबोधन

"कांग्रेस ने देश के सीमा विवादों को लटकाया। पाकिस्तान के साथ पानी विवाद को लटकाया। सैनिकों के लिए वन रैंक वन पेंशन को रोके रखा। ओबीसी के आरक्षण को लटाकाया। कांग्रेस के हर छल, प्रपंच का खामियाजा देश की पीढ़ियों ने भुगता है।

- नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

नारी अपमान नहीं भूलती, विपक्ष को इसकी सजा मिलेगी: पीएम मोदी

पीएम ने कहा कि कल विपक्ष ने जो भी किया वह केवल टेबल पर थाप नहीं थी। वह नारी के स्वाभिमान पर उसके आत्म सम्मान पर चोट थी। और नारी सब भूल जाती है, अपना अपमान कभी नहीं भूलती। इसलिए संसद में कांग्रेस के उसके सहयोगियों के व्यवहार की कसक, हर नारी के मन में हमेशा रहेगी। देश की नारी जब भी अपने क्षेत्र में इन नेताओं को देखेगी तो वह याद करेगी कि इन्हीं लोगों ने संसद में महिला आरक्षण को रोकने का जश्न मनाया था, खुशियां मनाईं थीं।

परिवारवादी पार्टियां डर गईं: ये महिलाएं देश की सेवा करना चाहती है। लेकिन परिवारवादियों के भीतर उनसे असुरक्षा की भावना बैठी है। परिसीमन के बाद महिलाओं का कद बढ़ता इसलिए उन्होंने बिल का विरोध किया। देश की नारी शक्ति कांग्रेस और उसके साथी दलों के लिए पाप के लिए माफ नहीं करेगी। कांग्रेस और उसके साथी दल परिसीमन पर लगातार झूठ बोल रहे हैं। ये इस बहाने विभाजन की आग को सुलगाना चाहते हैं।

कांग्रेस हर सकारात्मक चीजों का विरोध करती है: मोदी

पीएम ने कहा- कांग्रेस ने आर्टिकल 370 हटाने का विरोध किया। यूसीसी को जरूरी बताकर उसका भी विरोध करती है। रिफॉर्म का नाम सुनकर कांग्रेस विरोध की तख्ती लेकर दौड़ पड़ती है। कांग्रेस 'वन नेशन-वन इलेक्शन', देश में एसआईआर का विरोध करती है। इन्होंने शरणार्थियों को सुरक्षा देने वाले सीएए कानून का विरोध किया। मोदी ने कहा- कांग्रेस का एक ही पैटर्न रहा है। कोई भी रिफॉर्म आए तो झूठ बोलो-भ्रम फैलाओ। जो भी काम देश के लिए जरूरी होता है कांग्रेस उसे कारपेट के नीचे डाल देती है। उनकी इसी वजह से भारत विकास की उस ऊंचाई पर नहीं पहूंच पाया, जिसका वो हकदार है। ढट ने कहा- हमारे साथ कई देश आजाद हुए। कई देश हमसे आगे निकल गए, कांग्रेस कई रिफॉर्म को रोककर बैठे रही।

विपक्ष को उसके पाप की सजा जरूर मिलेगी: पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस, सपा, डीएमके और टीएमसी हर बार वही बहाने, वही कुतर्क गढ़ते आए हैं। कोई न कोई तकनीकी पेच फंसाकर ये महिलाओं के अधिकारों पर डाका डालते रहे हैं। देश राजनीति का यह भद्दा पैटर्न बराबर समझ चुका है। कल नारी शक्ति वंदन विधेयक का जिन लोगों ने विरोध किया है, उनसे मैं दो टूक कहूंगा कि ये लोग नारी शक्ति को फॉर ग्रांटेड ले रहे हैं। वे ये भूल रहे हैं कि 21वीं सदी की नारी देश की हर घटना पर नजर रख रही है। वह उनकी मंशा भांप रही है और सच्चाई भी भली-भांति जान चुकी है।

पीएम ने कहा- कल हमारे पास संख्याबल नहीं था लेकिन हम हारे नहीं है
पीएम ने कहा- ये लड़ाई सिर्फ एक कानून की नहीं है। उनकी हमेशा निगेटिविटी सामने आ जाती है। देश की बहनें-बेटियां कांग्रेस की मानसिकता का करार जवाब देकर रहेंगी। कुछ लोग महिलाओं के सपने टूटने को सरकार की नाकामयबी बता रहे हैं। ये क्रेडिट का सवाल नहीं था। मैंने संसद में भी कहा था कि आप क्रेडिट ले

राष्ट्र के नाम संबोधन

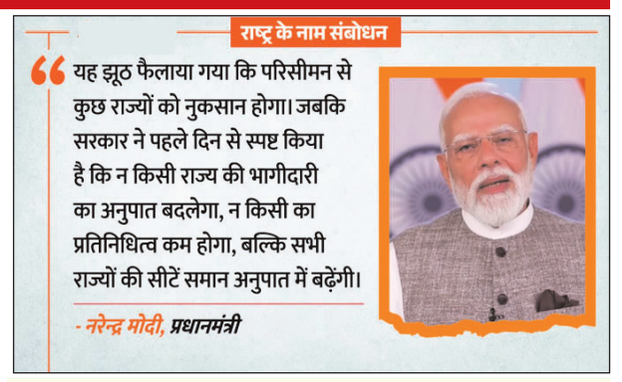

"यह झूठ फैलाया गया कि परिसीमन से कुछ राज्यों को नुकसान होगा। जबकि सरकार ने पहले दिन से स्पष्ट किया है कि न किसी राज्य की भागीदारी का अनुपात बदलेगा, न किसी का प्रतिनिधित्व कम होगा, बल्कि सभी राज्यों की सीटें समान अनुपात में बढ़ेंगी।

- नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

कल हमारे पास संख्याबल नहीं था लेकिन हम हारे नहीं है: पीएम मोदी

पीएम ने कहा- ये लड़ाई सिर्फ एक कानून की नहीं है। उनकी हमेशा निगेटिविटी सामने आ जाती है। देश की बहनें-बेटियां कांग्रेस की मानसिकता का करार जवाब देकर रहेंगी। कुछ लोग महिलाओं के सपने टूटने को सरकार की नाकामयबी बता रहे हैं। ये क्रेडिट का सवाल नहीं था। मैंने संसद में भी कहा था कि आप क्रेडिट ले लो। लेकिन महिलाओं को दकियानूसी सोच से देखने वाले अपने झूठ पर अड़े रहे। पीएम ने कहा- नारी शक्ति को अधिकारी दिलाने की लड़ाई दशकों से चल रही है। कितनी बहनों ने पत्र के जरिए मुझे सारी बातें बताई है। मैं जानता हूं महिलाएं दुखी हैं। मैं भी आपके दुख में दुखी हूं। आज भले ही बिल पास कराने के लिए जरूरी 66% वोट न मिला हो लेकिन मैं जानता हूं देश की 100% नारी शक्ति का आशीर्वाद हमारे साथ है। प्रधानमंत्री ने कहा- हम महिला आरक्षण के रास्ते आने वाली हर रुकावट को हटाकर रहेंगे। हमारी हिम्मत अटूट है।

दिल्ली में गिरफ्तार आतंकियों के मंसूबे: राम मंदिर और संसद थे निशाना

Mohammed Hammad (19 yrs) | Sheikh Imran (22 yrs) | Md Sohail (23 yrs) | Mosaib Ahmad (32 yrs)

नई दिल्ली/ग्रेटर नोएडा/एजेंसी
दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने महाराष्ट्र, ओडिशा और बिहार से जिन चार 'कट्टरपंथी' युवकों को गिरफ्तार किया है वह आतंकी गतिविधियों की साजिश रच रहे थे। कुछ संवेदनशील जगहों को निशाना बनाने के लिए उनकी रेकी की थी और 'एन्क्रिप्टेड' ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए अन्य लोगों को भर्ती करने की कोशिश कर रहे थे।

टॉय कार से करते धमाका
स्पेशल सेल के एक अधिकारी ने बताया कि अभियान के दौरान एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) और उससे जुड़ा सामान जब्त किया गया। दो आरोपी भीड़भाड़ वाली जगहों को निशाना बनाने के लिए आईईडी युक्त रिमोट संचालित टॉय कार को तैयार कर रहे थे। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि ये कथित तौर पर काले झंडे लेकर चलने वाले 'खुरासान के लश्कर' की अवधारणा से भी प्रेरित थे, जिसका इस्तेमाल उन्होंने दूसरों को कट्टरपंथी बनाने के अपने दुष्प्रचार के हिस्से के तौर पर किया।

इन मंचों का करते थे इस्तेमाल
उन्होंने कहा कि आरोपी बंद और एन्क्रिप्टेड सोशल मीडिया समूहों पर सक्रिय थे, जहां जिहाद, कट्टरपंथी सोच और हथियारों से जुड़ी सामग्री साझा की जाती थी। इन मंचों का इस्तेमाल कथित तौर पर नए सदस्यों की पहचान करने और भर्ती करने के लिए किया जाता था। आरोपियों में से एक दिसंबर 2025 में दिल्ली आया था और उसने लाल किला और इंडिया गेट समेत खास जगहों की रेकी की थी। जांचकर्ताओं ने कहा कि इस मॉड्यूल ने अयोध्या में राम मंदिर, संसद भवन और कुछ सैन्य प्रतिष्ठानों जैसे महत्वपूर्ण स्थानों पर संभावित हमलों पर भी चर्चा की थी।

मंत्रिमंडल की बैठक में केंद्रीय कर्मचारियों का डीए 2 प्रतिशत बढ़ा

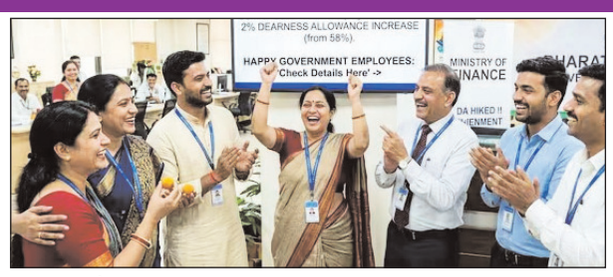

नई दिल्ली/एजेंसी
केंद्र सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के महंगाई भत्ते (डीए) और पेंशनभोगियों के महंगाई राहत (डीआर) में 02 प्रतिशत की बढ़ोतरी को शनिवार को मंजूरी दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया सेंटर में आयोजित पत्रकार वार्ता में मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार ने महंगाई के बढ़ते प्रभाव को कम करने के लिए डीए और डीआर की अतिरिक्त किस्त जारी करने की मंजूरी दी है। इसमें मूल वेतन और पेंशन की मौजूदा दर 58 प्रतिशत में 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। यह वृद्धि एक जनवरी 2026 से प्रभावी मानी जाएगी। इस फैसले से लगभग 50.46 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और 68.27 लाख पेंशनभोगियों को सीधा लाभ मिलेगा। डीए और डीआर में इस बढ़ोतरी से सरकारी खजाने पर सालाना 6791.24 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा।

कैबिनेट ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना को मार्च 2028 तक बढ़ाने की दी मंजूरी
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना-(पीएमजीएसवाई-) को मार्च 2028 तक जारी रखने की मंजूरी दी है।

दो मल्टी-ट्रैकिंग रेलवे परियोजनाओं को दी मंजूरी

केंद्रीय कैबिनेट ने उत्तर प्रदेश और आंध्र प्रदेश के 15 जिलों को कवर करने वाली दो मल्टी-ट्रैकिंग रेल परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिससे भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में लगभग 601 किलोमीटर की वृद्धि होगी। इनकी कुल अनुमानित लागत लगभग 24,815 करोड़ रुपये है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को संवाददाता सम्मेलन में कैबिनेट के फैसलों को जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीईए) की बैठक में रेल मंत्रालय की दो महत्वपूर्ण मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इन परियोजनाओं की कुल लागत लगभग 24,815 करोड़ रुपये है और इनके जरिए उत्तर प्रदेश और आंध्र प्रदेश के 15 जिलों में रेल नेटवर्क का बड़ा विस्तार किया जाएगा। इस पहल से करीब 601 किलोमीटर रूट और 1,317 किलोमीटर ट्रैक लंबाई में वृद्धि होगी, जिससे रेल संचालन अधिक तेज, सुरक्षित और विश्वसनीय बन सकेगा उत्तर प्रदेश में गाजियाबाद से सीतापुर तक तीसरी और चौथी लाइन (403 किमी) बिछाई जाएगी।

देश में ईंधन आपूर्ति सामान्य, भारतीयों की सुरक्षा के लिए सरकार सतर्क

नई दिल्ली/एजेंसी
पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष पर केंद्र सरकार ने बताया कि तेल आपूर्ति में आ रही रुकावटों के बावजूद देश में तेल और गैस आपूर्ति की कोई समस्या नहीं है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की आपूर्ति बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए गए हैं, बंदरगाहों का संचालन सामान्य है और विदेशों में भारतीयों की सुरक्षित वापसी तथा सहायता के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।
पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार मौजूदा भू-राजनीतिक परिस्थितियों के बावजूद देश में घरेलू एलपीजी, पीएनजी और सीएनजी की 100 प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। सरकार ने नागरिकों से अपील की है कि वे पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की घबराहट में खरीदारी न करें, अफवाहों से बचें और केवल आधिकारिक जानकारी पर भरोसा रखें। एलपीजी उपभोक्ताओं को डिजिटल माध्यम से बुकिंग करने और वितरकों के पास अनावश्यक भीड़ न लगाने की सलाह दी गई है। साथ ही, पीएनजी, इलेक्ट्रिक या इंडक्शन जैसे वैकल्पिक ईंधनों के उपयोग को बढ़ावा देने और ऊर्जा की बचत करने का आग्रह किया गया है। केंद्र ने कहा कि रिफाइनरियां उच्च क्षमता पर संचालित हो रही हैं और कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। घरेलू एलपीजी की आपूर्ति को प्राथमिकता दी गई है और किसी भी वितरण केंद्र पर गैस खत्म होने की स्थिति नहीं है। 17 अप्रैल को 52 लाख से अधिक घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की डिलीवरी की गई। वहीं, 23 मार्च से अब तक 5 किलोग्राम के 17.25 लाख से अधिक एफटीएल सिलेंडर बेचे जा चुके हैं।

होर्मुज स्ट्रेट ईरान के कड़े नियंत्रण में : ईरानी सैन्य प्रवक्ता

तेहरान
पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य (होर्मुज स्ट्रेट) को लेकर कहा है कि इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर उसके सशस्त्र बलों का सख्त नियंत्रण बना हुआ है और स्थिति में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। ईरान ने सीमित संख्या में तेल टैंकरों और वाणिज्यिक जहाजों को गुजरने की अनुमति देने की बात कही है। इसके साथ ही अमेरिका पर अपनी प्रतिबद्धताओं का उल्लंघन करते हुए समुद्री गतिविधियों में दखल देने का आरोप लगाया। ईरान की संवाद समिति तसनीम न्यूज एजेंसी ने बताया कि ईरानी सैन्य कमान मुख्यालय 'खातम अल-अंबिया' के प्रवक्ता ने चेतावनी दी कि जब तक ईरान के जहाजों की आवाजाही पर लगे प्रतिबंध नहीं हटाए जाते, तब तक यह रणनीतिक जलमार्ग कड़े नियंत्रण में ही रहेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरानी सशस्त्र बलों का कड़ा नियंत्रण है और यह अपनी पिछली परिचालन स्थिति में ही रहेगा। ईरान ने सीमित संख्या में तेल टैंकरों और वाणिज्यिक जहाजों को एक व्यवस्थित तरीके से होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति देने पर सहमति जताई है।

बालगोकुलम संस्कृति और चरित्र का संगम, युवाओं को दिशा देने वाला मंच: उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली/एजेंसी
उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने कहा कि बालगोकुलम जैसे संगठन संस्कृति और चरित्र का संगम हैं, जो बच्चों को उनकी जड़ों से जोड़ते हुए भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करते हैं। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन शनिवार को बालगोकुलम दिल्ली-एनसीआर के रजत जयंती समारोह के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। यह कार्यक्रम त्यागराज स्टेडियम में आयोजित किया गया।
उन्होंने कहा कि तेजी से बदलती दुनिया में बच्चों के सामने कई प्रकार के आकर्षण और मूल्यगत दुविधाएं हैं। समय में बालगोकुलम जैसे संस्थान मार्गदर्शक की भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विकास भी, विरासत भी को युवाओं के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत बताते हुए कहा कि आधुनिक आकांक्षाओं और सांस्कृतिक गौरव के बीच संतुलन आवश्यक है। अमृत काल की परिकल्पना का उल्लेख करते हुए कहा कि देश को जिम्मेदार और मूल्य-आधारित नागरिकों की जरूरत है, जो राष्ट्र को समृद्ध भविष्य की ओर ले जा सकें। संगठन की विरासत का सच्चा वाहक बताया और सम्मान, संस्कृति प्रेम, टीमवर्क और आत्मअनुशासन जैसे मूल्यों को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कृष्णार्पणम् की अवधारणा को भी रेखांकित करते हुए कहा कि अपने विचारों, कर्मों और प्रतिभा को उच्च उद्देश्य के लिए समर्पित करना भगवान कृष्ण के उपदेशों का सार है।

हरिवंश तीसरी बार राज्यसभा के उपसभापति निर्वाचित

नई दिल्ली। राज्यसभा में शुक्रवार को हरिवंश लगातार तीसरी बार उपसभापति निर्वाचित हुए। विपक्ष की ओर से कोई उम्मीदवार नहीं उतारे जाने के कारण उनका निर्वाचन निर्विरोध हुआ। इसके साथ ही वह इस पद पर लगातार तीसरी बार आसीन होने वाले सदस्य बन गए हैं। नेता सदन जगत प्रकाश नड्डा और विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने उन्हें आसन तक पहुंचाया और उपसभापति की कुर्सी पर बैठाया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हरिवंश को पुनः निर्वाचित होने पर बधाई देते हुए उच्च सदन के संचालन में उनके अनुभव और योगदान की सराहना की। वहीं, विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने भी उन्हें शुभकामनाएं दीं और आशा व्यक्त की कि वे सदन में सभी पक्षों को समान अवसर देंगे।

होर्मुज में आईआरजीसी सैनिकों की गोलीबारी, भारतीय जहाजों को लौटना पड़ा; भारत में ईरानी राजदूत तलब

काहिरा/नई दिल्ली/एजेंसी
होर्मुज जलडमरूमध्य में एक बार फिर तनाव चरम पर पहुंच गया है। ईरान की ओर से कथित गोलीबारी के बाद भारतीय जहाजों को अपना रास्ता बदलकर लौटना पड़ा। यह घटना ऐसे समय सामने आई है जब कुछ ही दिन पहले इस अहम समुद्री मार्ग को अस्थायी रूप से खोला गया था। इस पूरे घटनाक्रम ने वैश्विक तेल सप्लाई, समुद्री सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता को लेकर गंभीर चिंता खड़ी कर दी है।
जानकारी के अनुसार, दो भारतीय जहाज जग अर्नव और सन्मार हेराल्ड इस घटना में शामिल थे। इनमें से जग अर्नव, जो लगभग 20 लाख बैरल इराकी कच्चा तेल लेकर जा रहा था, पर फायरिंग की गई। दूसरा जहाज पास में मौजूद था, लेकिन उसे निशाना नहीं बनाया गया। घटना के बाद दोनों जहाजों ने होर्मुज जलडमरूमध्य से वापस लौटने का फैसला लिया।

ईरानी राजदूत तलब
मामले में भारत ने सख्त रुख अपनाया है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, इस घटना को लेकर भारत ने ईरान के राजदूत को तलब किया है और कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है। सूत्रों के अनुसार, दो भारतीय झंडे वाले जहाजों पर फायरिंग की खबर के बाद भारत ने इस मामले को गंभीरता से लिया है। सरकार ने ईरान से इस घटना पर स्पष्टीकरण मांगा है और समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

क्या हुआ था होर्मुज जलडमरूमध्य में?
ब्रिटेन की समुद्री एजेंसी ने बताया कि ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड से जुड़ी दो गनबोट्स ने ओमान के उत्तर-पूर्व में एक टैंकर पर गोलीबारी की। इसके अलावा एक अन्य कंटेनर जहाज पर भी अज्ञात प्रोजेक्टाइल से हमला होने की खबर है। हालांकि सभी जहाजों और उनके चालक दल को सुरक्षित बताया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, करीब 50 दिनों की पाबंदी के बाद शुक्रवार को इस मार्ग को अस्थायी रूप से खोला गया था। इसके बाद एक दर्जन से ज्यादा टैंकर, जिनमें कुछ प्रतिबंधित जहाज भी शामिल थे, इस रास्ते से गुजरे।

पट्टी अफगान स्टेडियम का सांसद नवीन जिंदल ने किया औचक निरीक्षण, खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं दिलाने का दिया भरोसा

कैथल (कृष्ण प्रजापति): कैथल से चीका जाते समय सांसद नवीन जिंदल ने गुरु गोविंद सिंह खेल स्टेडियम, पट्टी अफगान का औचक निरीक्षण कर खेल गतिविधियों का जायजा लिया। उनके अचानक पहुंचे निरीक्षण से स्टेडियम में मौजूद खिलाड़ियों और स्थानीय लोगों में उत्साह का माहौल बन गया।

निरीक्षण के दौरान सांसद ने स्टेडियम में अभ्यास कर रहे खिलाड़ियों, युवाओं एवं बच्चों से सीधे संवाद किया और उनकी समस्याओं व जरूरतों को विस्तार से सुना। खिलाड़ियों ने बताया कि स्टेडियम में जिम, आधुनिक खेल उपकरण, पर्याप्त खेल सामग्री तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं का अभाव है, जिसके कारण उन्हें अभ्यास में कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

सांसद नवीन जिंदल ने खिलाड़ियों की बातों को गंभीरता से लेते हुए उन्हें भरोसा दिलाया कि स्टेडियम में जिम और आवश्यक खेल सामग्री जल्द उपलब्ध करवाने के लिए वे व्यक्तिगत स्तर पर प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि युवाओं को बेहतर खेल सुविधाएं मिलना जरूरी है, ताकि वे अपने खेल कौशल को निखार सकें और जिले व प्रदेश का नाम रोशन कर सकें। इसके साथ ही, जिन कार्यों के लिए सरकारी स्तर पर कार्रवाई आवश्यक है, उन पर भी सांसद ने तत्परता दिखाते हुए हरियाणा खेल विभाग के निदेशक पार्थ गुप्ता को मौके पर ही फोन कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिया कि स्टेडियम की कमियों का जल्द आकलन कर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएं, ताकि खिलाड़ियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। सांसद ने कहा कि प्रदेश में खेलों को बढ़ावा देना सरकार की प्राथमिकता है और ग्रामीण क्षेत्रों में खेल ढांचे को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को मेहनत और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया और भरोसा दिलाया कि उनके विकास में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी।

इस अवसर पर स्थानीय ग्रामीणों और खेल प्रेमियों ने सांसद के इस औचक निरीक्षण की सराहना करते हुए उम्मीद जताई कि जल्द ही स्टेडियम में सुविधाओं का विस्तार होगा और क्षेत्र के खिलाड़ी बेहतर माहौल में अभ्यास कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री राहत कोष से बालू के पीड़ित किसान को मिली सहायता

कैथल (कृष्ण प्रजापति): गांव बालू रापड़िया पट्टी के निवासी अमित कुमार पुत्र सत्यनारायण को मुख्यमंत्री राहत कोष से एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। उल्लेखनीय है कि करीब दो महीने पहले अमित कुमार के चार दुधारू पशुओं का अचानक देहांत हो गया था, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा था। इस कठिन परिस्थिति में बालू मण्डल अध्यक्ष भाजपा नरेन्द्र जुलानी खेड़ा ने व्यक्तिगत रूप से

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात कर पीड़ित परिवार की स्थिति से अवगत कराया और आर्थिक मदद की मांग की। उनकी पहल पर मुख्यमंत्री ने तुरंत संज्ञान लेते हुए राहत कोष से एक लाख रुपये की सहायता राशि मंजूर की। इसी कड़ी में कलायत के एसडीएम अजय हुड्डा ने स्वयं गांव पहुंचकर अमित कुमार को एक लाख रुपये का चेक सौंपा।बालू मण्डल की ओर से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का इस सहायता के लिए आभार व्यक्त किया गया। ग्रामीणों ने कहा कि सरकार की इस पहल से पीड़ित परिवार को बड़ी राहत मिली है। इस मौके पर गांव के गणमान्य लोग उपस्थित रहे, जिनमें मोनी बालू, बलजीत बालू, चेयरमैन प्रतिनिधि शमशेर बालू, कृष्ण बालू, संपूर्ण प्रधान, कलाधारी, फौजी वीरभान जुलानीखेड़ा, फूल सिंह फौजी, अजमेर ढांडा, दिलबाग सिंह, कुलदीप फौजी सहित अन्य ग्रामीण शामिल रहे।

मोदहा आरओबी की दो लेन पर यातायात चालू

दूसरी दो लेन पर चल रहा कार्य, जून तक होगी शुरूआत

155 करोड़ की लागत से तैयार हो रहा आरओबी

अयोध्या।
श्री राम की नगरी अयोध्या में यातायात सुधार की दिशा में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। उ.प्र. राज्य सेतु निगम लिमिटेड द्वारा मोदहा रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) की चार लेन (फोरलेन) परियोजना में से दो लेन पर यातायात खोल दिया गया है, जबकि शेष दो लेन पर निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है, जिसे जून महीने तक पूरा कर चालू कर दिया जाएगा। काबिलेगौर है कि योगी सरकार में अयोध्या में यातायात व्यवस्था को मजबूत और सुदृढ़ बनाने का कार्य किया जा रहा है। हाल ही में अभी हल्कारा का पुरवा में बने ओवरब्रिज की भी दो लेन चालू की गई थी।

मौदहा आरओबी चार लेन का आधुनिक ओवरब्रिज
शहरवासियों और श्रद्धालुओं के लिए ट्रैफिक जाम से स्थायी राहत प्रदान करेगा। मोदहा आरओबी की कुल लंबाई साढ़े छह सौ मीटर (650 मीटर) है। इसमें रेलवे का हिस्सा लगभग 72 मीटर का है। पूरा ओवरब्रिज फोर लेन का बनाया गया है, जो भारी वाहनों सहित सभी प्रकार की यातायात को सुगमता से संभाल सकेगा। इस परियोजना पर लगभग 155 करोड़ रुपये की लागत आई है। निर्माण कार्य उच्च गुणवत्ता वाले सामग्री और आधुनिक तकनीक का उपयोग करके पूरा किया गया है, ताकि दीर्घकालिक मजबूती सुनिश्चित हो सके। सेतु निगम के उप परियोजना प्रबंधक रोहित अग्रवाल ने बताया कि यह परियोजना अयोध्या को आधुनिक और सुविधाजनक बनाने की प्रतिबद्धता को दशार्ती है। मोदहा आरओबी के पूर्ण रूप से चालू होने के बाद अयोध्या की सड़क व्यवस्था और अधिक मजबूत हो जाएगी, जिससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

बचेगा समय, दुर्घटना का खतरा टलेगा
यह ओवरब्रिज अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन के पास स्थित मोदहा रेलवे क्रॉसिंग पर बनाया गया है। पहले यहां रेलवे समपार पर लगने वाले लंबे जाम से स्थानीय लोगों, पर्यटकों और 14 कोसी परिक्रमा मार्ग पर आने वाले श्रद्धालुओं को काफी परेशानी होती थी। खासकर राम मंदिर दर्शन करने वाले लाखों भक्तों और अयोध्या आने वाले वाहनों की आवाजाही प्रभावित होती थी। अब इस ओवरब्रिज के चालू होने से रेलवे क्रॉसिंग पर बिना रुके निर्बाध यातायात संभव हो सकेगा। इससे न केवल समय की बचत होगी, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं का खतरा भी कम होगा।

स्थानीय लोगों में खुशी की लहर
प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि दो लेन पर यातायात शुरू करने का फैसला आम जनता को तत्काल राहत देने के लिए लिया गया है। दूसरी दो लेन का कार्य शेष है। उसमें रेलवे का पुल बनना है, जिसका स्ट्रक्चर लगभग तैयार है। जून तक सभी लेन पूरी तरह से चालू हो जाने पर यातायात व्यवस्था और बेहतर हो जाएगी। निर्माण एजेंसी ने सुनिश्चित किया है कि कार्य में कोई गुणवत्ता समझौता नहीं किया गया है। अयोध्या में विकास कार्यों की श्रृंखला में यह ओवरब्रिज एक महत्वपूर्ण कड़ी है। स्थानीय निवासियों ने इस विकास कार्य का स्वागत किया है। एक स्थानीय व्यापारी ने कहा कि पहले यहां घंटों जाम में फंसना पड़ता था। अब दो लेन खुलने से काफी राहत मिली है। जून तक पूरी चारों लेन चालू हो जाए तो दर्शनार्थियों और रोजमर्रा के यातायात दोनों को फायदा होगा।

घाघरा घाट पुल को प्रशासन ने किया पूरी तरह बंद, बनने का कार्य तेजी से शुरू, पीपा पुल से आवागमन जारी

बाराबंकी।
बाराबंकी व बहराइच सीमा पर बने घाघरा घाट पुल पर आवागमन दोनों तरफ से रोक दिया गया है बने हुए पीपा पुलों से छोटे वाहनों को निकाला जा रहा है। आज शुक्रवार को बाराबंकी व बहराइच जिले की ओर से पुलिस की निगरानी में आवागमन शुरू हुआ। बड़े वाहनों के पुलिस वापस कर दे रही थी वहीं छोटे वाहन पीपा पुल से धीरे गति से गुजर रहे थे। पीपा पुल शुरू होने के बाद पुराने संजय सेतु के जॉइंटर उखाड़ने का कार्य शुरू हो गया है। ग्राइंडर मशीनों से पुल पर लगे लोहे के जॉइंट्स दोनों तरफ खुदाई के बाद बाहर किए जा रहे हैं जिनके स्थान पर नए जॉइंटर लगाकर पुल मरम्मत किया जाएगा। इसी के साथ साथ पुल की डामर परत भी जेसीबी से खुदाई कर अलग की जा रही । इसकी जगह नया डामरीकरण भी होगा। करीब छोटे सात हजार वाहन चौबीस घंटे में आने जाने का अनुमान है।

सोलह अप्रैल को दोपहर बारह बजे से पुराना संजय सेतु बंद किया गया और पीपा पुल चालू हुआ। उस समय तक कुछ बड़े वाहन दोनों तरफ आ गए थे जिनको वापस लौटना पड़ा।छोटाहाथी,पिकअप,ट्रैक्टर में लगे थ्रेसर वाहन,भूसा ट्राली सहित हल्का फुल्का भी सामान लादे वाहन नहीं निकलने दिए जा रहे जिससे लोग परेशान भी दिखे। नदी की रेती में टीन बिछाई गई है जिसपर गुजरते समय धूल बहुत उड़ती है।

संदिग्ध परिस्थितियों में ट्रक ड्राइवर की मौत

अमेठी।
उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले के रामगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत औद्योगिक क्षेत्र त्रिशुंडी में शनिवार सुबह एक ट्रक ड्राइवर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना की सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान नरेंद्र कुमार (45) पुत्र निहाल सिंह निवासी ग्राम रुहेरी, थाना हाथरस गेट, जनपद हाथरस के रूप में हुई है।

बताया जा रहा है कि मृतक नरेंद्र कुमार पुणे से माल लादकर ट्रक से त्रिशुंडी स्थित कोका-कोला फैक्टरी पहुंचे थे। फैक्टरी के बाहर ट्रक खड़ा करने के बाद वह मोबाइल पर बात करते हुए पानी की बोतल लेकर शौच के लिए जा रहे थे, तभी अचानक रास्ते में गिरकर बेहोश हो गए। साथी चालक ने तत्काल एंबुलेंस की मदद से उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भादर पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

थाना रामगंज प्रभारी कृष्ण मोहन सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला हार्ट अटैक का प्रतीत हो रहा है।

हालांकि, मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। मामले की जानकारी परिजनों को सूचना दे दी है और आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

दक्ष प्रजापति चौक के निर्माण को लेकर समाज की बैठक, कमेटी बनाने को लेकर बनी रणनीति

कैथल (कृष्ण प्रजापति): शहर में दक्ष प्रजापति चौक के निर्माण की मांग को लेकर समाज के गणमान्य लोगों की एक महत्वपूर्ण बैठक करनाल रोड स्थित भारतीय प्रजापति हीरोज ऑर्गेनाइजेशन (बीपीएचओ) के जिला कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में समाज के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों ने भाग लिया और इस मांग को लेकर विस्तृत चर्चा की।

बैठक में उपस्थित समाज के लोगों ने कहा कि कैथल में दक्ष प्रजापति चौक का निर्माण समाज की लंबे समय से चली आ रही मांग है, जिसे अब शीघ्र पूरा किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस चौक के निर्माण से न केवल समाज की पहचान मजबूत होगी, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी अपनी सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने का अवसर मिलेगा।

समाज के प्रतिनिधियों ने एकजुट होकर इस मांग को प्रशासन और सरकार तक मजबूती से पहुंचाने का निर्णय लिया। उन्होंने बताया कि इस संबंध में जल्द ही एक 11 या 21 सदस्यीय कमेटी बनाई जाएगी जिसको लेकर अगले सप्ताह फिर से बैठक बुलाई जाएगी और संबंधित अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों से मुलाकात करके ज्ञापन सौंपा जाएगा, ताकि चौक के निर्माण की प्रक्रिया को गति मिल सके।

बैठक में यह भी तय किया गया कि समाज के अधिक से अधिक लोगों को इस अभियान से जोड़ा जाएगा और शांतिपूर्ण व संगठित तरीके से अपनी बात प्रशासन और सरकार तक पहुंचाई जाएगी। इस अवसर पर कैथल प्रजापति धर्मशाला के प्रधान पवन थूआ, सुभाष कुराड, बीपीएचओ के पूर्व जिला अध्यक्ष बलबीर नौच, प्रदेश उपाध्यक्ष राजपाल प्रजापति, मास्टर शमशेर कालिया, होशियार सिंह किच्छाना, राष्ट्रीय मीडिया सह प्रभारी कृष्ण टीक, अरविंद कल्याण, गुरमेल प्रजापति (तारागढ़), विक्की बाबा लदाना, सोनू खुराना, जॉनी बंदराना, बिट्टू बंदराना सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। बैठक के अंत में सभी उपस्थित सदस्यों ने एक स्वर में दक्ष प्रजापति चौक के निर्माण की मांग को जल्द से जल्द पूरा करने की अपील की और इसके लिए सामूहिक प्रयास जारी रखने का संकल्प लिया।

विद्या भारती आगामी शैक्षणिक वर्ष में सांस्कृतिक और शैक्षिक गतिविधियों को और व्यापक स्तर पर करेगा संचालित : हेमचंद्र

दिल्ली में 25 हजार से अधिक 'घोष' के छात्रों का विशाल एकत्रीकरण

प्रयागराज।
विद्या भारती के पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के संगठन मंत्री हेमचंद्र ने कहा कि संगठन आगामी शैक्षणिक वर्ष में सांस्कृतिक और शैक्षिक गतिविधियों को और व्यापक स्तर पर संचालित करेगा। इसी क्रम में शुक्रवार को नैनी स्थित माधव ज्ञान केंद्र में आयोजित साधारण सभा की बैठक में वार्षिक योजना को अंतिम रूप दिया गया।

बैठक में हेमचंद्र ने बताया कि वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 23 सितंबर को देशभर के सभी विद्यालयों में एक साथ सामूहिक गायन का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। तय समयानुसार सुबह 11 बजे छात्र-छात्राएं और शिक्षक एक साथ वंदे मातरम का गायन करेंगे।

उन्होंने बताया कि विद्या भारती से जुड़े विद्यालयों में 34 लाख से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, जबकि इस कार्यक्रम में डेढ़ लाख से अधिक शिक्षक भी शामिल होंगे। इसके साथ ही 10 और 11 नवंबर को दिल्ली में 25 हजार से अधिक 'घोष' के छात्रों का विशाल एकत्रीकरण प्रस्तावित है। बैठक में भारतीय शिक्षा समिति पूर्वी उत्तर प्रदेश, रज्जू भैया शिक्षा प्रसार समिति, विद्या भारती विकास निधि न्यास एवं काशी प्रदेश की भारतीय शिक्षा समिति के वार्षिक बजट पर भी विचार-विमर्श किया गया।

सभा में एनी बेसेंट विद्यालय को सीबीएसई बोर्ड से संबद्ध कराने, बालिका छात्रावास निर्माण, राजातालाब में नए विद्यालय भवन के निर्माण तथा काशी प्रांत में तीन नए विद्यालय खोलने पर सहमति बनी।

प्रदेश निरीक्षक शेषमणि ने संगठन द्वारा संचालित 17 प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी

अक्षय तृतीया देती है अक्षय फल, आस्था और शुभ कार्यों का विशेष पर्व : पंडित रवि दत्त शास्त्री

कैथल (कृष्ण प्रजापति): भारत को त्योहारों और उत्सवों की भूमि कहा जाता है, जहां प्रत्येक पर्व जीवन में नई ऊर्जा, उल्लास और आध्यात्मिक चेतना का संचार करता है। इन्हीं प्रमुख पर्वों में से एक है अक्षय तृतीया, जिसका हिंदू धर्म में विशेष धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व माना जाता है। इस अवसर पर प्रख्यात विद्वान पंडित रवि दत्त शास्त्री ने अक्षय तृतीया के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे अक्षय फल प्रदान करने वाला पर्व बताया। पंडित रवि दत्त शास्त्री के अनुसार, शास्त्रों में वर्णित है कि अक्षय तृतीया के दिन से सतयुग और त्रेता युग का आरंभ हुआ था। इस दिन किए गए जप, तप, दान और पुण्य कर्म कभी नष्ट नहीं होते, बल्कि अक्षय फल प्रदान करते हैं। यही कारण है कि इस पर्व को अक्षय तृतीया के नाम से जाना जाता है। उन्होंने बताया कि अक्षय तृतीया एक स्वयंसिद्ध शुभ मुहूर्त है, जिसके लिए किसी विशेष पंचांग देखने की आवश्यकता नहीं होती। जिन लोगों को विवाह या अन्य मांगलिक कार्यों के लिए उपयुक्त मुहूर्त नहीं मिल पाता, वे इस दिन अपने सभी शुभ कार्य बिना संकोच संपन्न कर सकते हैं। इस दिन बड़ी संख्या में विवाह संपन्न होते हैं और कन्यादान को विशेष पुण्यदायी माना गया है।

पंडित शास्त्री ने आगे कहा कि इस पावन दिन व्रत और उपवास रखने, दान-पुण्य करने तथा भगवान की भक्ति में लीन रहने का विशेष महत्व है। उन्होंने बताया कि भगवान परशुराम का अवतरण भी इसी दिन हुआ था, इसलिए इस दिन भगवान परशुराम की पूजा-अर्चना कर उन्हें अर्घ्य अर्पित करना अत्यंत फलदायी माना गया है।

उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वे इस दिन श्रद्धा और विश्वास के साथ अपने इष्ट देव एवं गुरु का आशीर्वाद प्राप्त करें, जिससे जीवन में सुख-समृद्धि और कल्याण का मार्ग प्रशस्त होता है। पंडित रवि दत्त शास्त्री ने कहा कि अक्षय तृतीया न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि यह हमें जीवन को सकारात्मकता, परोपकार और संस्कारों के साथ जीने का संदेश भी देता है।

'गोल्डन ऑवर' में मददगार बनें, मिलेगा इनाम: सड़क सुरक्षा बैठक में डीएम के सख्त निर्देश

मीरजापुर।
सड़क हादसों में घायल को समय पर अस्पताल पहुंचाने वालों को अब सम्मान और प्रोत्साहन मिलेगा। डीएम पवन कुमार गंगवार ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में कहा कि राहवीर योजना के तहत मददगारों को 25-25 हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। इसी क्रम में विपुल उपाध्याय और विकास यादव का चयन किया गया है।

बैठक में डीएम और एसपी अपर्णा रजत कौशिक ने अधिकारियों को सड़क दुर्घटनाओं में 50 प्रतिशत कमी लाने का लक्ष्य याद दिलाते हुए ठोस रणनीति बनाने के निर्देश दिए। डीएम ने स्पष्ट कहा कि केवल कागजी कार्यवाही नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर सुधार दिखना चाहिए।

स्कूली वाहनों की जांच में प्रगति पर संतोष जताते हुए शेष वाहनों का फिटनेस परीक्षण जल्द पूरा करने को कहा गया। बिना नंबर प्लेट और गलत नंबर प्लेट वाले वाहनों के खिलाफ विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। इसके लिए परिवहन, खान और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम गठित की गई है।

डीएम ने ब्लैक स्पॉट चिन्हित कर उनका निरीक्षण करने, दुर्घटनाओं के कारणों का विश्लेषण करने और 1 जनवरी 2025 से अब तक की घटनाओं का पूरा ब्यौरा प्रस्तुत करने को कहा। साथ ही ऑटो और ई-रिक्शा के लिए रूट तय कर वाहनों पर चालक व स्वामी का विवरण अंकित कराने के निर्देश दिए।

ऋषि टोला से सब्जी मंडी तक नाले की होगी विशेष सफाई, बढ़ेगी गहराई

नगर की सरकार आपके द्वार अभियान के तहत महापौर ने किया निरीक्षण एवं जनसंवाद

अयोध्या।
शहर के मध्य स्थित ऋषि टोला से सब्जी मंडी जाने वाला नाला बरसात के पहले पूरी तरह से साफ होगा और जरूरत के मुताबिक जगह-जगह गहराई भी बढ़ाई जाएगी, ताकि जल निकासी में किसी प्रकार की समस्या न आए। इसके लिए विभिन्न जगह पर किए गए अतिक्रमण को भी हटाया जाएगा। यह निर्देश महापौर गिरीशपति त्रिपाठी ने 'नगर की सरकार आपके द्वार' अभियान के तहत निरीक्षण के दौरान दिया। उनके

साथ नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार भी थे।

सुबह के 7:00 बजे महापौर के ऋषिटोला पहुंचने पर पार्षद अनिल सिंह ने अगवानी की। यहां से शुरू हुए निरीक्षण में पार्षद हरिश्चंद्र अग्रहरि एवं सपा पार्षद दल के नेता विशाल पाल भी शामिल रहे। महापौर ने जलभराव खत्म करने के मद्देनजर नाले की ऊंचाई बढ़ाने की आवश्यकता महसूस की। उन्होंने नगर आयुक्त से स्टीमेट तैयार कर प्रस्ताव शासन को भिजवाने का निर्देश दिया। यहां लोगों ने बताया कि नाले की गहराई कम होने के कारण जल भराव की स्थिति बनी रहती है। कई जगह पर लोगों ने नाले पर आक्रमण कर रखा है। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि नाले पर रखी गई पटिया वाहनों के आवागमन के दबाव के कारण टूट गई है। नगर आयुक्त ने लोगों को टूटी हुई पटिया बदलवाने का भरोसा दिया। उन्होंने नाले के किनारे सफाई कर रखा गया कचरा तत्काल हटवाने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान जगह एंटी लार्वा का छिड़काव चल रहा था और सफाई भी हो रही थी। कई स्थानों पर नागरिकों ने जल भराव की शिकायत की। बताया कि बारिश के दौरान बच्चों को स्कूल जाने और लोगों को अपने काम से बाहर जाने में काफी दिक्कत होती है। यहां भी डोर-टू-डोर कूड़ा उठाने वाले कर्मचारियों की शिकायत स्थानीय नागरिकों ने की, जिस पर महापौर ने कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने पुरानी सब्जी मंडी के पहले नाला खुलवाने का भी निर्देश दिया। निरीक्षण का समापन फतेहगंज चौराहे पर हुआ। यहां स्थानीय लोगों की मांग पर महापौर ने सुंदरीकरण कराने का वादा किया।

इस दौरान अपर नगर आयुक्त डॉ. नागेंद्र नाथ एवं भारत भार्गव, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी गजेंद्र कुमार, सहायक अभियंता निर्माण राजपति यादव, जोनल अधिकारी सुभाष त्रिपाठी समेत विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि शामिल थे।

जांच में शुद्ध पाया गया पेयजल –
निरीक्षण के दौरान रेनू मेमोरियल हॉस्पिटल के पास पेयजल की विशेष जांच कराई गई। यहां टीडीएस 233 पीपीएम पाया गया।

देश की संसद एक नया इतिहास रचने के निकट है : निर्मला

देवरिया।
नारी शक्ति वंदन अभियान के तहत भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष भारती शर्मा तथा भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह के नेतृत्व में शुक्रवार को टाउन हॉल से जिला पंचायत तक महिलाओं ने पैदल यात्रा किया । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद ज्ञापित किया ।

इस दौरान नारी शक्ति जिंदाबाद, मोदी जी धन्यवाद जैसे स्लोगन लिखी दफ्तियों को हाथ में लेकर मोदी जी जिंदाबाद के नारे लगाए । जिला पंचायत परिसर में पहुंचने के बाद महिलाओं ने मानव श्रृंखला बनाकर नारी शक्ति जिंदाबाद कहा के नारे लगाए। इस दौरान शक्ति दौड़

भी लगाई गई तथा नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में दीवार लेखन भी किया गया । जिला पंचायत परिसर में सभा को संबोधित करते हुए नपा अध्यक्ष अलका सिंह ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम केवल आश्वासन ही नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की स्पष्ट दृष्टि है कि वर्ष 2029 से संसदीय प्रणाली में महिलाओं की 33 प्रतिशत मौजूदगी रहे, वे सशक्त हों, नीति निर्धारण में उनकी सशक्त भूमिका हो और वे देश की मुखर आवाज बनें ।

संसद में विधेयक पर भाजपा की हार मोदी सरकार के पतन की शुरूआत : ममता बनर्जी

कोलकाता, 18 अप्रैल । पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने दावा किया है कि डिलिमिटेशन (परिसीमन) विधेयक को लेकर संसद में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की हार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के पतन की शुरूआत है। उन्होंने कहा कि भाजपा देश के राज्यों के साथ राजनीतिक लाभ के लिए लोकसभा सीटों के पुनर्निर्धारण की साजिश कर रही थी, जिसे विपक्ष ने मिलकर विफल कर दिया। हावड़ा जिले के पांचला क्षेत्र में आयोजित चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में चुनाव होने के बावजूद तृणमूल कांग्रेस के सांसद संसद पहुंचे और विधेयक का विरोध करते हुए मतदान किया। उन्होंने कहा कि विपक्षी एकजुटता में उनकी पार्टी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि महिला आरक्षण विधेयक के नाम पर केंद्र सरकार वास्तव में डिलिमिटेशन का एजेंडा आगे बढ़ाना चाहती थी। उन्होंने दावा किया कि भाजपा लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों को बढ़ाकर लगभग 850 करना चाहती थी, ताकि राजनीतिक समीकरण अपने पक्ष में बदले जा सकें। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार के बावजूद उनसे 20 सांसद भेजने को कहा गया था, लेकिन उन्होंने 21 सांसद दिल्ली भेजे। उन्होंने कहा कि यह भाजपा को हराने की रणनीति का हिस्सा था और विपक्ष ने संसद में भाजपा को पराजित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि संसद में मिली हार के बाद अब भाजपा को जमीन पर भी पराजय का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने दावा किया कि बंगाल हमेशा देश को रास्ता दिखाता है और इस बार भी बंगाल से भाजपा को सत्ता से हटाने की लड़ाई शुरू होगी। ममता बनर्जी ने कहा कि उनकी पार्टी महिलाओं के अधिकारों और आरक्षण के पक्ष में है, लेकिन देश को बांटने वाली किसी भी नीति का समर्थन नहीं करेगी। उन्होंने भाजपा पर भ्रामक प्रचार और झूठ फैलाने का आरोप भी लगाया। और समर्थकों से आह्वान किया कि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की जीत सुनिश्चित कर भाजपा को कड़ा संदेश दिया जाए।

बांकुड़ा में योगी आदित्यनाथ का शक्ति प्रदर्शन, समर्थकों की भीड़ उमड़ी, बोले- बंगाल में कमल खिलेगा

बांकुड़ा, 18 अप्रैल । पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार के बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को बांकुड़ा विधानसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशी नीलाद्रि शेखर दाना के समर्थन में भव्य जनसंपर्क यात्रा निकाली। इस दौरान बड़ी संख्या में समर्थक सड़कों पर उमड़ पड़े और जयघोष से पूरा क्षेत्र गूंज उठा।
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के स्वागत में लोगों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा की। मार्ग के दोनों ओर खड़े समर्थकों ने हाथ हिलाकर उनका अभिवादन किया। कई स्थानों पर लोगों ने धार्मिक और राजनीतिक नारे लगाए। महिलाओं, युवाओं और बच्चों में भी उत्साह देखा गया। अनेक लोग मकानों की छतों और बालकनियों से यात्रा को देखते रहे।
योगी आदित्यनाथ ने वाहन से हाथ जोड़कर लोगों का अभिवादन किया और समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता परिवर्तन चाहती है और आगामी चार मई को राज्य में नया राजनीतिक संदेश मिलेगा। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बंगाल देश की सांस्कृतिक राजधानी के रूप में पहचाना जाता है।

बहरमपुर में अधीर रंजन चौधरी के समर्थन में उतरे मोहम्मद अजहरुद्दीन

कोलकाता, 18 अप्रैल । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले की बहरमपुर विधानसभा सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी अधीर रंजन चौधरी के समर्थन में चुनाव प्रचार किया। उन्होंने शहर में रोड शो में हिस्सा लेकर मतदाताओं से कांग्रेस उम्मीदवार के पक्ष में मतदान की अपील की। रोड शो से पहले अजहरुद्दीन ने अधीर रंजन चौधरी के लंबे राजनीतिक अनुभव और क्षेत्र से उनके गहरे जुड़ाव का उल्लेख करते हुए कहा कि बहरमपुर के विकास और जनहित के लिए उन्हें समर्थन मिलना चाहिए। पूर्व क्रिकेट कप्तान की एक झलक पाने के लिए सड़क के दोनों ओर बड़ी संख्या में लोग जुटे। कई लोग मकानों की बालकनी और छतों से हाथ हिलाकर उनका स्वागत करते नजर आए। बहरमपुर विधानसभा सीट पर 23 अप्रैल को पहले चरण में मतदान होगा।
पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव का मतदान दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को होगा, जबकि मतगणना चार मई को होगी।
हरमपुर से पांच बार सांसद रह चुके अधीर रंजन चौधरी वर्ष 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में मैदान में हैं। करीब तीन दशक बाद वह राज्य की चुनावी राजनीति में वापसी कर रहे हैं।अधीर रंजन चौधरी वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में इसी बहरमपुर सीट से तृणमूल कांग्रेस के यूसुफ पठान से हार गए थे। इसके बाद अब वह विधानसभा चुनाव में अपनी राजनीतिक पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं।राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, अजहरुद्दीन का बहरमपुर दौरा कांग्रेस की ओर से अधीर रंजन चौधरी के प्रचार अभियान को नई गति देने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है।
लोकसभा चुनाव में हार के बावजूद अधीर रंजन चौधरी अब भी मुर्शिदाबाद की राजनीति में प्रभावशाली चेहरा माने जाते हैं। वह वर्ष 1999 से बहरमपुर का संसद में प्रतिनिधित्व कर चुके हैं तथा केंद्र सरकार में मंत्री और पश्चिम बंगाल कांग्रेस अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

बांग्लादेशी घुसपैठियों के पैरोकारों ने पास नहीं होने दिया नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक : मुख्यमंत्री योगी

जलपाईगुड़ी, 18 अप्रैल । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को पश्चिम बंगाल के चुनावी रण में फिर गरजे। माथाभांगा व धुपगुड़ी विधानसभा क्षेत्रों में आयोजित जनसभाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक पर लोकसभा में विपक्षी दलों के रुख की भर्त्सना की।
मुख्यमंत्री ने कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठियों के पैरोकारों ने यह संशोधन विधेयक पास नहीं होने दिया। यह देश की आधी आबादी का अपमान है, माता-बहनें इसे किसी रूप में बर्दाश्त नहीं करेंगी। सीएम योगी ने पश्चिम बंगाल की मौजूदा अराजक स्थिति के लिए तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को दोषी ठहराते हुए ऐलान किया कि ममता बनर्जी सिंहासन खाली करो, बीजेपी आ रही है। अब बंगालवासियों को घबराने की आवश्यकता नहीं है।आधी आबादी को हक नहीं देना चाहते विपक्षी दलमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बहन-बेटियों के लिए लोकसभा व विधानसभाओं में 33 फीसदी आरक्षण 2029 में लागू करने का संशोधन विधेयक संसद में प्रस्तुत किया, लेकिन कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, सपा व वामपंथियों ने इसे पास नहीं होने दिया। ये लोग आधी आबादी को उसका हक नहीं देना चाहते, लेकिन बांग्लादेशी घुसपैठियों की पैरोकारी करते हैं।

हिमंत बिस्व सरमा के भड़काऊ बयान को लेकर तृणमूल ने चुनाव आयोग से की शिकायत

कोलकाता, 18 अप्रैल । पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव प्रचार के बीच तृणमूल कांग्रेस ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा पर ह्यभड़काऊ, विभाजनकारी और अप्रमाणित आरोपह्व लगाने का आरोप लगाया है। पार्टी ने चुनाव आयोग से शिकायत करते हुए कहा कि उनके बयान पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी को निशाना बनाते हैं। चुनाव आयोग को लिखे पत्र में तृणमूल ने कूचबिहार जिले में एक चुनावी सभा के दौरान दिए गए असम के मुख्यमंत्री के कथित बयान का उल्लेख किया है। आरोप है कि उन्होंने कहा था कि यदि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सत्ता में आती है तो मांस खाने पर रोक लगने को लेकर ममता बनर्जी की चिंता दरअसल केवल बीफ को लेकर है, न कि चिकन, मटन या मछली को लेकर।
तृणमूल सूत्रों के अनुसार, इस तरह का बयान न केवल अनुचित राजनीतिक टिप्पणी है, बल्कि यह धार्मिक आधार पर नफरत फैलाने और राज्य के विभिन्न समुदायों के बीच तनाव पैदा करने का एक सुनियोजित प्रयास भी है। हिमंत बिस्व सरमा ने यह दावा कर भड़काऊ और निराधार बयान दिया कि पश्चिम बंगाल में मुस्लिम समुदाय के लोग हिंदू इलाकों में बीफ की दुकानें खोल रहे हैं और तस्करी कर रहे हैं।

इंडी गठबंधन ने ताकत दिखाई इसीलिए महिला आरक्षण नहीं, परिसीमन विधेयक रोका गया : अभिषेक बनर्जी

कोलकाता, 18 अप्रैल । तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी ने शनिवार को दावा किया कि विपक्षी इंडी गठबंधन ने एकजुट होकर केंद्र सरकार के संवैधानिक संशोधन प्रयासों को रोक दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि महिला आरक्षण विधेयक नहीं, बल्कि परिसीमन विधेयक को रोका गया है। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर मुर्शिदाबाद में पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए अभिषेक बनर्जी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) चाहकर भी संविधान नहीं बदल पाएगी। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों की एकता के कारण केंद्र सरकार अपने प्रस्ताव को पारित नहीं करा सकी। इससे पहले अभिषेक बनर्जी ने फरक्का और सामशेरगंज विधानसभा क्षेत्रों में रोड शो किया। अल-अमान शिक्षा मिशन मैदान से फरक्का के जिगरी मोड़ तक निकाले गए रोड शो में बड़ी संख्या में समर्थक उमड़े। सड़क किनारे ही नहीं, घरों की छतों और बालकनियों पर भी लोगों की भीड़ देखी गई। आयोजित सभा में उन्होंने कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी और आम जनता उन्नयन पार्टी के संस्थापक हुमायूं कबीर पर निशाना साधा। बाद में लालबाग सिंही उच्च विद्यालय मैदान में तृणमूल प्रत्याशी शाओनी सिंह राय के समर्थन में आयोजित सभा में उन्होंने भाजपा और कांग्रेस दोनों पर हमला बोला। हा कि केंद्र सरकार देश को बांटने की राजनीति कर रही थी, लेकिन तृणमूल कांग्रेस और विपक्षी दलों ने मिलकर उसे विफल कर दिया। उन्होंने कहा कि संविधान को बदलने नहीं दिया गया और यही जनता की ताकत है। मतदाता सूची से नाम कटने के मुद्दे पर उन्होंने प्रभावित लोगों को भरोसा दिलाते हुए कहा कि जिन लोगों के नाम हटे हैं, उन्हें जल्द पहचान पत्र उपलब्ध कराया जाएगा। गंगा कटाव के मुद्दे पर अभिषेक बनर्जी ने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कई बार केंद्र सरकार को पत्र लिखकर इसे राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग कर चुकी हैं, लेकिन अब तक कोई कदम नहीं उठाया गया। उन्होंने कांग्रेस पर भी क्षेत्र की समस्याओं को लेकर निष्क्रिय रहने का आरोप लगाया।

दोहरी पहचान पहचान व्यवस्था के साथ चुनाव की तैयारी, आयोग सख्त

हुगली, 13 अप्रैल । आगामी चुनाव को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण बनाने के लिए चुनाव आयोग ने इस बार ह्यडबल लेयर आइडेंटिफिकेशनह्व (दोहरी पहचान) की नई व्यवस्था लागू की है। इसके तहत मतदान केंद्र में प्रवेश से पहले ही बूथ के बाहर बीएलओ द्वारा मतदाताओं की पहचान की जांच की जाएगी। सत्यापन के बाद ही मतदाताओं को बूथ के अंदर जाने की अनुमति मिलेगी।
सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करते हुए हर बूथ के अंदर और बाहर वेबकास्टिंग कैमरे लगाए जाएंगे। साथ ही प्रत्येक बूथ पर पर्याप्त केंद्रीय बल की तैनाती की जाएगी, ताकि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को रोका जा सके।
इन तैयारियों को लेकर सोमवार को हुगली जिलाधिकारी कार्यालय में एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी खुरशिद अली कादरी, चंदननगर पुलिस कमिश्नर सुनील कुमार यादव, हुगली ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सन्नी राज, तथा केंद्रीय बल के अधिकारी नकुल वर्मा और वी. विधुन उपस्थित रहे।
बैठक के बाद अधिकारियों ने बताया कि चुनाव को स्वतंत्र और निष्पक्ष बनाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। विभिन्न सड़कों पर नाका चेकिंग की जा रही है, ताकि अवैध हथियार और नकदी के लेनदेन पर रोक लगाई जा सके। चुनाव के दिन किसी भी प्रकार की हिंसा या फर्जी मतदान को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि मतदान केंद्र के अंदर मोबाइल फोन ले जाने की अनुमति नहीं होगी। मतदाताओं को अपना मोबाइल बाहर जमा करके ही अंदर प्रवेश करना होगा। बूथ के बाहर मतदाता पहचान टीम तैनात रहेगी, जो डबल लेयर आइडेंटिफिकेशन प्रक्रिया के तहत जांच करेगी। इसके अलावा स्टैटिक सर्विलांस टीम भी सक्रिय रहेगी।
जिलाधिकारी ने बताया कि आचार संहिता लागू होने के बाद अब तक करीब 16 करोड़ 37 लाख रुपये की अवैध शराब जब्त की जा चुकी है। वहीं, हुगली ग्रामीण पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सिंगुर और चंडीतला क्षेत्रों में पिछले एक महीने में लगभग आठ करोड़ रुपये की अवैध शराब पकड़ी गई है। ग्रामीण इलाकों में 41 नाका चेकिंग प्वाइंट बनाए गए हैं।
चंदननगर पुलिस कमिश्नर ने जानकारी दी कि केंद्रीय बलों के साथ अब तक एक हजार 598 रूट मार्च किए जा चुके हैं। इसके अलावा एसएसटी और एफएसटी टीमें लगातार निगरानी में जुटी हैं। चंदननगर क्षेत्र में लगभग 30 लाख रुपये का गांजा जब्त किया गया ह।

तपन में बाबूलाल मरांडी का चुनावी प्रचार, आदिवासी वोट बैंक पर भाजपा-तृणमूल आमने-सामने

उत्तर दिनाजपुर, 18 अप्रैल । पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 से पहले तपन सीट पर राजनीतिक माहौल गरमा गया है। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने शनिवार को यहां पहुंचकर चुनावी प्रचार में हिस्सा लिया। इससे आदिवासी बहुल इस क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को बड़ा संबल मिला। हेलीकॉप्टर से बालुरघाट पहुंचने के बाद वे सड़क मार्ग से तपन आए और भाजपा उम्मीदवार बुधराय टुडू के साथ एक विशाल रैली में शामिल हुए। करीब तीन हजार कार्यकर्ता-समर्थकों की भीड़ के साथ निकली इस शोभायात्रा में लोगों का जबरदस्त उत्साह देखने को मिला।
रास्तेभर नेताओं ने हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन किया और जनसंपर्क किया।
आदिवासी आरक्षित सीट होने के कारण इस क्षेत्र में सभी पार्टी आदिवासी नेताओं पर दांव खेल रहे है। भाजपा ने बाबूलाल मरांडी को उतारकर शक्ति प्रदर्शन किया है, वहीं तृणमूल कांग्रेस भी अपने आदिवासी चेहरों के जरिए मुकाबला कर रही है।
पत्रकारों से बात करते हुए मारांडी ने तृणमूल कांग्रेस पर ह्यमहिला विरोधी और युवा विरोधीह्व होने का आरोप लगाया। इसके जवाब में तृणमूल नेताओं ने कहा कि भाजपा चुनाव के समय ही बड़े नेताओं को लाकर जनता को प्रभावित करने की कोशिश कर रही है। कुल मिलाकर, आदिवासी वोट बैंक को साधने के लिए तपन में सियासी घमासान तेज हो गया

मिथुन चक्रवर्ती ने कुल्टी व दुगार्पुर में किया रोड शो, कहा - ममता को अपनी हार का अंदेशा हो चुका है

आसनसोल, 18 अप्रैल। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव प्रचार के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केंद्रीय समिति के सदस्य और बालीवुड अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती ने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को अब हार का अंदेशा हो गया है, इसलिए वह केंद्रीय सुरक्षा बलों पर आरोप लगा रही हैं। केंद्रीय जांच एजेंसियों की सक्रियता पर उन्होंने कहा कि एजेंसियां स्वतंत्र रूप से काम करती हैं और कार्रवाई का निर्णय वही करती हैं। इस दौरान मीडिया से बातचीत में उन्होंने ममता बनर्जी के उस बयान पर प्रतिक्रिया दी, जिसमें तृणमूल प्रमुख ने केंद्रीय सुरक्षा बलों के जरिए भाजपा के पक्ष में मतदान को प्रभावित करने का आरोप लगाया गया था। कुल्टी विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी डॉ. अजय पोद्दार के समर्थन में सोदपुर एरिया ऑफिस मैदान से डिसेरगढ़ पोस्ट ऑफिस तक एक ऐतिहासिक बाइक जुलूस निकाला गया। शनिवार को इस जुलूस में मिथुन चक्रवर्ती भी विशेष रूप से मौजूद रहे। उन्होंने खुली गाड़ी में प्रत्याशी के साथ जनसंपर्क किया। मिथुन चक्रवर्ती को देखने के लिए रास्ते भर लोगों की भारी भीड़ उमड़ती रही। इसके बाद मिथुन चक्रवर्ती ने दुगार्पुर में दो अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में रोड शो किया।
पहला रोड शो दुगार्पुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में प्रत्याशी लखन चंद्र घरूई के समर्थन में निकाला गया, जो कुरुलिया डंगाल स्वास्थ्य केंद्र से शुरू होकर झंडाबाग होते हुए मेन गेट मोड़ तक गया। इस रोड शो में लखन चंद्र घरूई, पूर्व भाजपा सांसद एसएस अहलूवालिया भी उनके साथ मौजूद थे। प्रचंड गर्मी के बीच उन्हें देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर जुटे रहे। इसके बाद दूसरा रोड शो दुगार्पुर पूर्व विधानसभा क्षेत्र के सीलमपुर ग्राम इलाके में आयोजित किया गया, जहां भाजपा प्रत्याशी चंद्रशेखर बनर्जी के समर्थन में मिथुन चक्रवर्ती ने जनसंपर्क किया। इस रोड शो में भी लोगों की अच्छी-खासी भीड़ रही और पूरे इलाके में चुनावी माहौल चरम पर नजर आया।

तदान केंद्रों के चारों ओर 100 मीटर सुरक्षा घेरा, केवल मतदाताओं को प्रवेश मिलेगा: निर्वाचन आयोग

कोलकाता, 18 अप्रैल । पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान से पहले निर्वाचन आयोग ने मतदान केंद्रों पर सुरक्षा और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए बड़ा फैसला लिया है। आयोग ने सभी मतदान केंद्रों के चारों ओर 100 मीटर की परिधि सीमा निर्धारित करने का निर्णय लिया है, जहां केवल मतदाताओं को ही प्रवेश की अनुमति होगी। निर्वाचन आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को बताया कि इस व्यवस्था का उद्देश्य मतदान प्रक्रिया को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और व्यवस्थित बनाना है। पहले चरण का मतदान 23 अप्रैल को राज्य की 152 विधानसभा सीटों पर होगा, जबकि दूसरे चरण का मतदान 29 अप्रैल को शेष 142 सीटों पर कराया जाएगा। मतगणना चार मई को होगी। आयोग के निदेर्शानुसार इस बार मतदान केंद्रों के चारों ओर 100 मीटर का स्पष्ट सुरक्षा घेरा बनाया जाएगा। इस घेरे के भीतर केवल मतदाता ही प्रवेश कर सकेंगे। बूथ स्तर अधिकारी और अन्य चुनावकर्मी इस सीमा रेखा के बाहर तैनात रहेंगे और वहीं अपनी जिम्मेदारियां निभाएंगे। अधिकारी ने बताया कि बूथ स्तर अधिकारी मतदाताओं के पहचान पत्रों की प्राथमिक जांच बाहर ही करेंगे, ताकि मतदान केंद्र के भीतर अनावश्यक भीड़ न हो और मतदान प्रक्रिया सुचारु रूप से चल सके। निर्वाचन आयोग ने इस बार फर्जी मतदान और प्रतिरूपण रोकने के लिए अतिरिक्त जांच व्यवस्था भी लागू की है। 100 मीटर की सीमा के भीतर प्रवेश करने के बाद मतदाताओं को निर्धारित जांच टेबलों पर फिर से दस्तावेज सत्यापन से गुजरना होगा। इसके बाद ही उन्हें मतदान करने की अनुमति दी जाएगी।
आयोग का मानना है कि बहु-स्तरीय सत्यापन प्रणाली से किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर मतदान करने जैसी घटनाओं पर रोक लगेगी और वास्तविक मतदाता ही अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे।
निर्वाचन आयोग ने मतदान प्रक्रिया की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न स्तरों पर निगरानी तंत्र को भी मजबूत किया है। संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष नजर रखी जाएगी और मतदान केंद्रों पर सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ाई जाएगी। अधिकारियों के अनुसार, मतदान केंद्रों पर पारदर्शिता बनाए रखने और किसी भी तरह की शिकायत का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के लिए विशेष नियंत्रण व्यवस्था भी सक्रिय रहेगी।

नाका चेकिंग में पाटुली से भारी रकम बरामद

कोलकाता, 17 अप्रैल । विधानसभा चुनाव से पहले पुलिस ने नाका चेकिंग में भारी मात्रा में नगदी बरामद की है। घटना गुरुवार रात की है। सूत्रों के अनुसार, नाका चेकिंग के दौरान पुलिस ने दो इलाकों से चार लाख 67 हजार 500 रुपये बरामद किए। पहली बरामदगी पाटुली थाना इलाके की है जहां पुलिस ने धलाई ब्रिज के पास एक कार से तीन लाख 67 हजार 500 रुपये जब्त किया। दूसरी घटना टेंगरा थाना इलाके की है जहां पुलिस ने जीके रोड और क्रिस्टोफर मोड़ से कुल एक लाख रुपये बरामद किए। ये रूपए किस उद्देश्य से और कहां ले जाए जा रहे थे पुलिस इसकी जांच में जुटी है।

पोद्दार बिजनेस स्कूल में क्राफ्टशाला का उद्घाटन, कारीगरों के कौशल विकास को मिलेगा बढ़ावा

जयपुर, 18 अप्रैल। आज शनिवार को सीतापुरा स्थित पोद्दार बिजनेस स्कूल में भारत सरकार के उपक्रम हैंडीक्राफ्ट एंड कारपेट सेक्टर स्किल काउंसिल के अंतर्गत ह्लक्राफ्टशालाह्व का भव्य उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के.एल. रमेश (चेयरमैन, हैंडीक्राफ्ट एंड कारपेट सेक्टर स्किल काउंसिल) तथा विशिष्ट अतिथि गिरीश कुमार अग्रवाल (बोर्ड डायरेक्टर, एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल फॉर हैंडीक्राफ्ट्स - EPCH) एवं लेखराज माहेश्वरी (पूर्व चेयरमैन, EPCH) उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ, जिसमें पोद्दार संस्थान के चेयरमैन डॉ. आनंद पोद्दार, वाइस चेयरपर्सन रूपल पोद्दार सहित सभी अतिथियों ने सहभागिता निभाई।

इस अवसर पर बताया गया कि क्राफ्टशाला का मुख्य उद्देश्य हस्तशिल्प से जुड़े कारीगरों की रचनात्मकता को बढ़ावा देना, उनके कौशल का विकास करना तथा उन्हें रोजगारोन्मुखी बनाना है। इसके साथ ही यह पहल दस्तकारों के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। क्राफ्टशाला के माध्यम से राजस्थान के कारीगरों को इको-फ्रेंडली प्रिंटिंग सहित विभिन्न आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें। डॉ. आनंद पोद्दार (चेयरमैन, पोद्दार संस्थान) ने अपने संबोधन में कहा कि क्राफ्टशाला जैसी पहल न केवल कारीगरों के कौशल को निखारेगी, बल्कि उन्हें वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने में भी सहायक सिद्ध होगी। हमारा प्रयास है कि पारंपरिक कला को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़कर युवाओं और कारीगरों के लिए नए अवसर तैयार किए जाएं। मुख्य अतिथि के.एल. रमेश ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत की हस्तशिल्प परंपरा अत्यंत समृद्ध है और इसे आगे बढ़ाने के लिए कौशल विकास अत्यंत आवश्यक है। क्राफ्टशाला जैसे केंद्र कारीगरों को नई तकनीक, डिजाइन और बाजार से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षाविद, कारीगर एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। आयोजकों ने इसे हस्तशिल्प क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल बताते हुए भविष्य में ऐसे और कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही।

नारी शक्ति वंदन एक्ट का विरोध "शर्मनाक" और "दुखद", कांग्रेस का महिला विरोधी रवैया उजागर - अजय मित्तल

पंचकूला, 18 अप्रैल (अमरपाल नूरपुरी) भाजपा जिला अध्यक्ष अजय मित्तल ने लोकसभा में नारी शक्ति वंदन अधिनियम का विरोध करने पर कांग्रेस सहित समूचे विपक्ष पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए इसे शर्मनाक और दुखद बताया है। उन्होंने कहा, इससे कांग्रेस व अन्य विपक्षी पार्टियों का महिला विरोधी रवैया उजागर हुआ है। अजय मित्तल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने अधिनियम का विरोध कर देश की करोडो माँ, बहन, बेटियों को उनका हक दिलवाने में बाधा डालने का दुःसाहस किया है, जिसका परिणाम आने वाले समय में कांग्रेस पार्टी को भुगतना पड़ेगा। अजय मित्तल ने कहा, भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी के विरोध के चक्कर में कांग्रेस पार्टी स्वयं अपने पाव पर कुल्हाड़ी मार ली है। उन्होंने कहा, महिलाओं को मिलने वाले 33% आरक्षण को रोकना और फिर उसका जश्न मनाकर

देश की आधी आबादी का अपमान करना कांग्रेस और विपक्षी पार्टियों के मानसिक दिवालियापन को दशार्ता है। गौरतलब है, केंद्र सरकार नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से 33% आरक्षण को 2029 के चुनावों से पहले लागू करने के लिए संशोधन ला रही थी, लेकिन दो-तिहाई बहुमत न मिलने के कारण यह संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा में गिर गया।

एआई जेनरेटेड वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर किया वायरल

श्री राजर्षि राज आई.पी.एस. पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) जयपुर द्वारा जिला जयपुर दक्षिण ने बताया कि परिवादी श्री सत्यनारायण शर्मा पुत्र श्री रामगोपाल शर्मा जाति ब्राह्मण उम्र 45 साल निवासी 1-27 संजय कॉलोनी फ्ढअ रोड शास्त्री नगर जयपुर हाल क्राईम रिपोर्टर फ्रस्ट इंडिया न्युज चैनल सहकार मार्ग थाना ज्योतिनगर जयपुर के मोबाईल पर सोशल मीडिया फेसबुक प्लैटफार्म पर एक एआई जेनरेटेड रील आई जिसमें फर्स्ट इंडिया न्यूज का लोगो व एंकर और फर्स्ट इंडिया न्यूज का बैंक ग्राउण्ड का उपयोग कर वीडियो को तैयार किया गया था और चैनल की प्रतिष्ठा धूमिल करने के लिए सोशल मीडिया पर वायरल किया गया। फर्स्ट इंडिया न्यूज चैनल राजस्थान की आवाज व सोशल मीडिया पर पूरे प्रदेश में सर्वाधिक पहुंच है। उक्त रील को लोगों ने सत्य मानकर हँ३२अस्त्रस्त्र पर शेयर किया गया जबकि यह खबर गलत एवं भ्रामक है। आदि सूचना मन पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण को प्राप्त होने पर संतरा मीणाा पुलिस निरीक्षक थानाधिकारी पुलिस थाना ज्योतिनगर को त्वरित कार्यवाही करते हुए प्रकरण दर्ज करने के निर्देश दिये गये। जिस पर थानाधिकारी द्वारा प्रकरण संख्या 100/2026 धारा 336.(4).340(2),353(2) इठर 2023 एवं 66ऊ 66ए क्ळ अउळ में दर्ज कर अनुसंधान प्रारम्भ किया जाकर विधि सम्मत कार्यवाही जारी है।

सड़क पर ब्लैक स्कॉर्पियो कार से जानलेवा स्टंट करने वाला अभियुक्त गिरफ्तार व स्कॉर्पियो कार जप्त

पुलिस उपायुक्त, जयपुर उत्तर श्री करन शर्मा (आई.पी.एस.) ने बताया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म Instagram पर ब्लैक स्कॉर्पियो कार से स्टंट करने वाले एक व्यक्ति का वीडियो वायरल हो रहा था, जिसमें वह स्वयं एवं अन्य राहगीरों की जान को जोखिम में डालते हुए खतरनाक जानलेवा स्टंट करता हुआ दिखाई दे रहा था। जिस पर कार्यवाही करते हुए श्री नीरज पाठक, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर प्रथम के सुपरविजन एवं श्री सुरेन्द्र सिंह राणावत, सहायक पुलिस आयुक्त आमेर जयपुर के निर्देशन एवं थानाधिकारी ब्रह्मपुरी हेमन्त जनागल पु०नि० के नेतृत्व में पुलिस थाना ब्रह्मपुरी की एक विशेष टीम गठित की गयी। टीम द्वारा तकनीकी सहायता एवं आसूचना संकलन के आधार पर वायरल वीडियो में दिखाई दे रहे शख्स की पहचान कर उसे दिनांक 18.04.2026 को गिरफ्तार किया गया। स्टंट में प्रयुक्त स्कॉर्पियो को जप्त किया गया है।

कमरे में सो रहे पति पत्नी शॉर्ट सर्किट होने से झुलसे

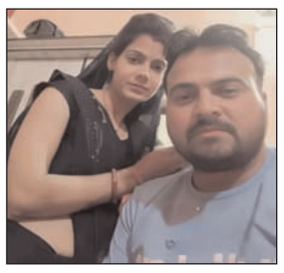

भरतपुर...उद्योगनगर क्षेत्र के नगला माना गांव में घटित हुए एक हृदय विदारक हादसे में कमरे में सो रहे पुष्पेंद्र (32) और उनकी पत्नी मधु (28) कमरे में सो रहे थे कि अचानक से शॉर्ट सर्किट से लगी आग ने बिस्तरों को अपनी चपेट में ले लिया। आग की लपटें इतनी विकराल थीं कि दंपती कमरे से बाहर नहीं निकल पाए और अंदर ही बुरी तरह घिर गए। खिड़की से उठती लपटें और चीख-पुकार सुनकर परिजनों व ग्रामीणों द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद दरवाजा तोड़कर दोनों को बाहर निकाला गया था लेकिन तब तक पति एवं पत्नी 85 प्रतिशत से अधिक झुलस चुके थे। बचाव के दौरान पुष्पेंद्र की बहन रुपन भी मामूली रूप से झुलस गई। दोनों घायलों को आरबीएम अस्पताल ले जाया गया जहां से उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल रेफर कर दिया गया था लेकिन वहां इलाज के दौरान दोनों ने दम तोड़ दिया। मृतक पुष्पेंद्र पेशे से स्कूल वैन चालक थे और घटना के समय उसके दोनों बच्चे स्कूल गए हुए थे, जिससे उनकी जान बच गई। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना कर मामले की जांच शुरू की

सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री बनने पर पातेपुर में जश्न का माहौल, खेसराही में हुआ भव्य कार्यक्रम

देश का दर्पण न्यूज (बिहार वैशाली) पातेपुर संवाददाता रंजीत कुमार पातेपुर बिहार में सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने के बाद पातेपुर प्रखंड क्षेत्र में खुशी और उत्साह का माहौल बना हुआ है। नगर पंचायत क्षेत्र के खेसराही गांव में इस अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने भाग लिया।
कार्यक्रम के दौरान लोगों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया। साथ ही रंग, अबीर और गुलाल लगाकर जश्न मनाया गया। ढोल-नगाड़ों और नारों के बीच पूरे इलाके में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। युवा, बुजुर्ग और महिलाएं सभी इस खुशी में शामिल नजर आए। इस अवसर पर बीस सूत्री अध्यक्ष सह भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष सुनील कुशवाहा ने संबोधित करते हुए कहा कि सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने से बिहार के विकास को नई दिशा मिली है। उन्होंने कहा कि राज्य में जनहित के कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा और हर वर्ग के लोगों को इसका लाभ मिलेगा।
उन्होंने आगे कहा कि पातेपुर क्षेत्र के विकास के लिए भी सरकार गंभीर है और आने वाले समय में यहां सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेगा। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे सरकार की योजनाओं को आम लोगों तक पहुंचाने में सहयोग करें।
कार्यक्रम में समाजसेवी चंद्रमोहन सिंह कुशवाहा सहित जदयू नेता अशर्फी सिंह कुशवाहा, वार्ड पार्षद शंकर सिंह, पप्पु कुशवाहा, निखिल कुशवाहा, अमन कुशवाहा, अविनाश कुशवाहा, बजरंग दल के जिला महामंत्री राजु सिंह, पूर्व जिला पार्षद सुरेश चंद्र राय, राजु शर्मा, रणवीर कुमार सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित थे।
सभी ने एक-दूसरे को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री के सफल कार्यकाल की कामना की। कार्यक्रम में शामिल लोगों ने उम्मीद जताई कि नई सरकार आम लोगों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर करेगी। पूरे आयोजन के दौरान उत्साह और उमंग का माहौल बना रहा तथा लोगों ने एकजुट होकर अपनी खुशी का इजहार किया।

परशुराम जन्मोत्सव की पूर्व संध्या पर गोविंद देव जी में की गई महाआरती

जयपुर,राजस्थान ब्राह्मण महासभा गोविंद नगर पूर्व के तत्वाधान में गोविंद देव जी मंदिर में भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव की पूर्व संध्या पर महाआरती की गई इस अवसर पर प्रदेश प्रमुख महामंत्री रोशनलाल शर्मा, प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामावतार वशिष्ठ, अध्यक्ष गिरिराज वशिष्ठ ,महामंत्री पवन वशिष्ठ, कार्यकारी अध्यक्ष रामदयाल शर्मा, डॉ. महेश जोशी,भगवान सहाय शर्मा, महेश व्यास, एडवोकेट रमेश शर्मा ,राजेश जोशी,जीके गोड,कविता मिश्रा ,कमल वशिष्ठ ,सूर्य प्रकाश वशिष्ठ, राजेश जी, ओमप्रकाश मिश्रा, समाजसेवी दौलत त्रिलोकानी राजेश शर्मा, पीके शर्मा, डॉ. शंभू दयाल शर्मा, सर्वेश गॉड, ललित मोहन जी, संजीव शर्मा ,आदित्य वशिष्ठ, गौरव वशिष्ठ, विक्रम जी, विनोद शर्मा ,जयप्रकाश जी, सत्यनारायण शर्मा ,आर्यन वशिष्ठ, गौरांग वशिष्ठ, कमलेश जी, गिरधर जी, सुरेश कुमार जी,शिवकुमार जी एवं अन्य पदाधिकारी तथा सैकड़ो भक्तों ने भगवान गोविंद की आरती कर अपने जीवन को धन्य किया!

हलेना पुलिस की कार्यवाही मादक पदार्थ के साथ पकड़ा

हलेना (भरतपुर) NH, संख्या 21थाना पुलिस द्वारा 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत क्षेत्र में मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले यज्ञेश्वर उर्फ जग्गा को अवैध मादक पदार्थ सहित गिरफ्तार किया गया पुलिस के अनुसार क्षेत्र में स्थित एनएच 21 पर पुलिस नाकाबंदी के दौरान बाइक सवार आरोपी यज्ञेश्वर उर्फ जग्गा निवासी पीपलखेड़ा (दौसा) को 7 ग्राम 20 मिलीग्राम अवैध मा*दक पदार्थ, एक बाइक एवं 2 मोबाइल फोन सहित गिरफ्तार किया गया

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के मीडिया एडवाइजर महेंद्र भारद्वाज के भतीजे दिव्य भारद्वाज का आर एस मुख्य परीक्षा में अंतिम रूप से चयन

टोंक। टोंक जिले के आवां गांव निवाशी दिव्य भारद्वाज का प्रथम बार के प्रयास में ही 622वि रैंक के साथ उत्तीर्ण कर अपने परिवार का नाम रोशन किया है उनके माता पिता सरकारी सेवा में है ओर इनके चाचा महेंद्र भारद्वाज पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के मीडिया एडवाइजर रहे हैं और इनके भाई वर्तमान में अपनी ग्राम पंचायत आवां में प्रशासक के पद पर ओर एक अन्य भाई बिजनेस करते है उन्होंने इस सफलता का श्रेय अपने माता पिता ओर अपने परिवार को दिया है

एपिक 2026 में देशभर से 600 डॉक्टर हुए शामिल

चंडीगढ़, (अमरपाल नूरपुरी): एपिक 2026, एक प्रतिष्ठित नेशनल मेडिकल कॉन्फ्रेंस, का आयोजन यहां हयात रीजेंसी, चंडीगढ़ में आरंभ हुआ, जिसमें देशभर से 600 से अधिक डॉक्टरों और स्वास्थ्य पेशेवरों ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि भारत की पहली महिला आईपीएस अधिकारी और पुडुचेरी की पूर्व लेफ्टिनेंट गवर्नर किरण बेदी रहीं। अपने मुख्य संबोधन में उन्होंने नेतृत्व, धैर्य और ईमानदारी पर दृढ़ता से विचार रखते हुए साहस और दृढ़ता को सार्वजनिक सेवा तथा चिकित्सा पेशे दोनों में अत्यंत आवश्यक मूल्यों के रूप में रेखांकित किया, जिससे श्रोताओं पर गहरा प्रभाव पड़ा।
महिला सशक्तिकरण की वकालत करते हुए उन्होंने नेतृत्व पदों में महिलाओं की अधिक भागीदारी का आह्वान किया और राष्ट्र निर्माण में उनके महत्वपूर्ण योगदान को सराहा। उन्होंने चंडीगढ़ की शहरी योजना, स्वच्छता और पर्यटन आकर्षण की प्रशंसा की, साथ ही प्रभावी ट्रैफिक प्रबंधन और जिम्मेदार नागरिक भागीदारी के महत्व पर भी विचार साझा किए। कॉन्फ्रेंस ने एक जीवंत और सहभागितापूर्ण वातावरण प्रदान किया, जो अकादमिक आदान-प्रदान, क्लिनिकल उन्नति और बहु-विषयक सहयोग के लिए एक सार्थक मंच साबित हुआ।
सम्मेलन की प्रमुख विशेषताओं में ओबेसिटी मैनेजमेंट, डायबिटिक फुट केयर और स्त्री रोग-एंडोक्रिनोलॉजी इंटीग्रेशन पर केंद्रित व्यावहारिक कार्यशालाएं शामिल रहीं। ये सत्र अत्यंत इंटरएक्टिव और प्रायोगिक थे, जिनमें केस-आधारित जानकारियां दी गईं, जिन्हें उनकी तत्काल क्लिनिकल उपयोगिता के लिए व्यापक सराहना मिली।
एपिक 2026 के दूसरे दिन ने प्रतिभागियों को प्रेरित किया और स्वास्थ्य समुदाय में चिकित्सा उत्कृष्टता के साथ-साथ नेतृत्व, नैतिकता और सामाजिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

मथुरापुर को महकमा बनाने और नई बस सेवा की घोषणा, अभिषेक बनर्जी का बड़ा ऐलान

कोलकाता: दक्षिण 24 परगना के रायदीघी से तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने एक महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा कि अगले पांच वर्षों के भीतर मथुरापुर को महकमा (सब-डिवीजन) बनाया जाएगा। साथ ही दीघा के जगन्नाथधाम से रायदीघी तक सीधी बस सेवा शुरू करने की भी घोषणा की गई है। इस ऐलान के बाद स्थानीय लोगों में उत्साह देखा गया। रायदीघी के खाड़ी कैथोलिक चर्च मैदान में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए अभिषेक बनर्जी ने कहा कि आगामी 4 मई को चुनाव परिणाम घोषित होने के 10-15 दिनों के भीतर जगन्नाथधाम-रायदीघी बस सेवा शुरू कर दी जाएगी। इस सेवा के शुरू होने से क्षेत्र के लोगों, खासकर तीर्थयात्रियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। उन्होंने यह भी कहा कि फिलहाल इस इलाके के लोगों को प्रशासनिक कामकाज के लिए डायमंड हार्बर महकमा पर निर्भर रहना पड़ता है, जिससे उन्हें काफी समय और परेशानी का सामना करना पड़ता है।

रायदीघी से डायमंड हार्बर पहुंचने में 2 से 3 घंटे तक का समय लग जाता है। मथुरापुर को महकमा बनाए जाने से इस समस्या का स्थायी समाधान होगा। सभा में मौजूद लोगों ने इस घोषणा का जोरदार स्वागत किया और खुशी जाहिर की। अभिषेक बनर्जी ने यह भी बताया कि डायमंड हार्बर मॉडल की तर्ज पर मथुरापुर में भी विकास कार्य किए जाएंगे, ताकि स्थानीय स्तर पर ही सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। इस मौके पर जिला परिषद सदस्य उदय हलदार और केया हलदार ने भी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इस घोषणा से इलाके में विकास की नई उम्मीद जगी है।
उन्होंने कहा कि बस सेवा और महकमा बनने से आम लोगों को प्रशासनिक और परिवहन दोनों स्तरों पर लाभ मिलेगा। स्थानीय लोगों का मानना है कि यदि ये घोषणाएं तय समय सीमा के भीतर पूरी होती हैं, तो क्षेत्र के विकास में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है।

चंडीगढ़ में सीबीएसई 10वीं परिणाम: बेटियों ने फिर मारी बाजी, सेक्टर-34 में मेधावी छात्रों का सम्मान

चंडीगढ़ 18 अप्रैल (अमरपाल नूरपुरी) सीबीएसई कक्षा 10वीं के परिणामों में एक बार फिर लड़कियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बाजी मारी। ट्राइसिटी का नाम रोशन करते हुए बड़ी संख्या में छात्राओं ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए। इस उपलब्धि का जश्न मनाते हुए सेक्टर-34 स्थित फिजिक्स विद्यापीठ संस्थान में 90% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के सम्मान में एक विशेष समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह में प्रिशा, धवल तिवारी, हर्षिता, रोहित, विष्णु सहित कई मेधावी छात्रों को उनके परिवारों सहित आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम के दौरान संस्थान के सेंटर हेड ने सभी टॉपर्स का फूल-मालाओं से स्वागत कर उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर सेंटर हेड ने कहा कि यदि विद्यार्थियों को सही मार्गदर्शन, अनुशासन और सकारात्मक माहौल मिले, तो वे बड़ी आसानी से ऊंचाइयों को छू सकते हैं। उन्होंने छात्रों की मेहनत और अभिभावकों के सहयोग की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह के दौरान अभिभावकों और विद्यार्थियों में उत्साह देखने को मिला, वहीं सभी ने इस उपलब्धि को आगे और बेहतर करने का संकल्प भी लिया।

बाड़ी-स्वच्छता जागृति रैली का हुआ आयोजन

देश का दर्पण न्यूज,धौलपुर (धर्मेंद्र बिधौलिया)18 अप्रैल जिले के बाड़ी उपखण्ड मुख्यालय पर नागरपालिका बाड़ी एवं आरयूडीआईपी के सहयोग से तुलसीवन रोड बाड़ी के विक्टर इंफेंट सेकेंडरी स्कूल में विद्यालय प्रशासन द्वारा विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा स्वच्छ्ता जागृति रैली का आयोजन किया गया। रैली की नगरपालिका के अधिशाषी अधिकारी उत्तम चन्द बंसल ने हरी झंडी दिखाकर के रवाना किया। इसके अलावा उन्होंने सैंपऊ रोड स्थित सीवर प्लांट का भी निरीक्षण किया।

सैंपऊ उपखण्ड के सैमरा गाँव की निवासी प्रिया शर्मा (बिधौलिया) ने आरएएस परीक्षा 2024 के परिणाम में प्राप्त की 352 वीं रैंक

देश का दर्पण न्यूज,धौलपुर(धर्मेन्द्र बिधौलिया)18 अप्रैल। राजस्थान लोक सेवा आयोग ने आज आरएएस परीक्षा 2024 का अंतिम परिणाम घोषित कर दिया। जिले के सैंपऊ उपखण्ड के गाँव सैमरा गाँव की निवासी प्रिया शर्मा (बिधौलिया) पुत्री सतीश शर्मा (बिधौलिया) ने परिणाम में 352 वीं रैंक हासिल की है। प्रिया वर्तमान में भरतपुर में जिला रसद कार्यालय में प्रवर्तन निरीक्षक के पद पर कार्यरत हैं। परिणाम के बाद जिले भर में खुशी की लहर है। और उनके घर बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। प्रिया वर्तमान में भरतपुर में जिला रसद कार्यालय में प्रवर्तन निरीक्षक के पद पर कार्यरत हैं। प्रिया शर्मा ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, परिवार एवं सतत अध्ययन को दिया है।

लक्ष्य इंटरनेशनल अकादमी में वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का भव्य आयोजन

पातेपुर प्रखंड क्षेत्र स्थानीय लक्ष्य इंटरनेशनल अकादमी बरडीहा के प्रांगण में कक्षा प्री-नर्सरी से तृतीय तक के विद्यार्थियों के लिए 'वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुभारंभ सौरभ कुमार द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके उपरांत प्रकाश झा द्वारा विद्यालय एवं समारोह का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत किया गया। समारोह के आधिकारिक उद्घाटन के अवसर पर निदेशक (प्रशासन) मयंक शेखर द्वारा स्वागत संबोधन में विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना की।बच्चों के सर्वांगीण विकास में विद्यालय व अभिभावकों के निरंतर सहयोग के महत्व पर प्रकाश डाला।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा श्रीमद्भगवद्गीता के श्लोक, स्वागत नृत्य (गणेश वंदना), एकल एवं समूह गीत-नृत्य जैसी आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ अभिभावकों एवं अतिथियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। समारोह का मुख्य आकर्षण मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान के साथ शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की संयुक्त प्रस्तुतियाँ आकर्षण का केंद्र बना रहा। इस अवसर पर प्री-नर्सरी से कक्षा 3 तक के विद्यार्थियों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान के साथ-साथ डेवलपमेंट रिकग्निशन' एवं 'ऑल-राउंडर मेडल' से सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण विद्यालय के फाउंडर चेयरमैन श्री विष्णुदेव राय, फाउंडर प्रेसिडेंट श्री रामप्रवेश राय, निदेशक (प्रशासन) श्री मयंक शेखर, प्रबंध निदेशक विशाल कुमार, प्राचार्य श्री सुरेन्द्र रजक एवं समस्त समन्वयकों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस वार्षिक समारोह का विशेष आकर्षण विद्यालय के दो मस्कट, डोरेमोन और मिकी माउस रहे। इन लोकप्रिय कार्टून किरदारों की उपस्थिति ने नन्हे बच्चों का दिल जीत लिया और पूरे कार्यक्रम के दौरान खुशी का माहौल बना रहा।

बाल विवाह रोकथाम के लिए जिला प्रशासन सख्त, 24 घंटे कंट्रोल रूम स्थापित

देश का दर्पण न्यूज,धौलपुर (धर्मेन्द्र बिधौलिया) 18 अप्रैल। आगामी अक्षय तृतीया (आखातीज) एवं पीपल पूर्णिमा जैसे अवसरों पर बाल विवाह की संभावनाओं को देखते हुए जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी ने सख्त कदम उठाए हैं। इस संबंध में कार्यालय आदेश जारी करते हुए बाल विवाह रोकथाम हेतु विशेष व्यवस्थाएं लागू की गई हैं। जिला कलेक्ट्रेट स्थित कक्ष संख्या 51 में जिला स्तरीय कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है, जो 24 घंटे सक्रिय रहेगा। कंट्रोल रूम का संचालन तीन पारियों में किया जाएगा। कंट्रोल रूम का दूरभाष नंबर 05642-220033 तथा ईमेल आईडी.ूस्त्रँङ्क्षि'स्त्र४१@ँ'.ङ्के जारी की गई है, जिस पर बाल विवाह से संबंधित सूचना दी जा सकती है। कंट्रोल रूम के प्रभारी के रूप में महिला एवं बाल विकास विभाग के सहायक लेखाधिकारी मंगीलाल आर्य को नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही पुलिस अधीक्षक धौलपुर एवं जिले के सभी उपखंड मजिस्ट्रेटों को अपने-अपने क्षेत्रों में नियंत्रण कक्ष स्थापित कर प्रभावी निगरानी एवं कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

कृषि महोत्सव से किसानों को मिलेगा सीधा लाभ कुलगुरु प्रोफेसर डॉ. पुष्पेंद्र सिंह चौहान

श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से कृषि महोत्सव आयोजित करने की योजना पर मंथनः कुलगुरु डॉ. पुष्पेंद्र सिंह चौहान श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के प्रसार शिक्षा निदेशालय के अंतर्गत संचालित कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से कृषि महोत्सव आयोजित करने की विस्तृत कार्ययोजना पर मंथन किया गया। इस संबंध में प्रसार शिक्षा निदेशालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कुलगुरु प्रोफेसर डॉ. पुष्पेंद्र सिंह चौहान ने की। उन्होंने निर्देश दिए कि आगामी खरीफ मौसम से पूर्व मई माह में प्रत्येक कृषि विज्ञान केंद्र अपने-अपने कार्यक्षेत्र में कृषि महोत्सव का आयोजन किया जाए, ताकि किसानों को सीधा, त्वरित एवं व्यावहारिक लाभ प्राप्त हो सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस कार्यक्रम के माध्यम से किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों की जानकारी, गुणवत्तापूर्ण बीजों की उपलब्धता, जल संरक्षण के उपाय, प्राकृतिक खेती के मॉडल, आधुनिक कृषि मशीनीकरण तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित तकनीकों की प्रदर्शनी के माधयम से

जागरूक किया जाएगा, जिससे उनकी उत्पादकता एवं आय में प्रत्यक्ष वृद्धि सुनिश्चित की जा सके।

कुलगुरु ने यह भी निर्देशित किया कि कृषि, पशुपालन, उद्यान एवं तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध हो सके और उन्हें अधिकतम लाभ मिल सके। प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. शैलेश गोदिका ने बैठक में कृषि महोत्सव आयोजन की रूपरेखा पर संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की। इसके पश्चात सभी अधिकारियों से फीडबैक प्राप्त किया गया।

कार्यक्रम की समस्त जिम्मेदारी एवं निगरानी निदेशालय बीज निगम सहित सभी संबंधित विभागों के समन्वय से इस कार्यक्रम को आयोजित किया जायेंगे, ताकि एक ही मंच पर किसानों को सभी आवश्यक सेवाएं, परामर्श एवं स्तर पर सुनिश्चित की जाएगी। तकनीकी सत्र में विश्वविद्यालय के अधीन संचालित 11 कृषि विज्ञान केंद्रों–अजमेर, अलवर (नवगांव), बांसूर-अलवर, भरतपुर, दौसा, कोटपुतली-जयपुर, फतेहपुर-सीकर-क अरणिया-सीकर-कक धौलपुर एवं वनस्थली-टोंक–के वरिष्ठ वैज्ञानिकों एवं अध्यक्षों द्वारा मार्च माह की प्रगति रिपोर्ट तथा आगामी कार्ययोजना प्रस्तुत की गई।

बैठक का संचालन डॉ. बी.एल. आसीवाल ने किया, जबकि अंत में डॉ. रामोवतार शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। बैठक में डॉ. एन.के. गुप्ता (निदेशक, योजना, मूल्यांकन एवं निगरानी), डॉ. शैलेंद्र सिंह सहित प्रसार शिक्षा निदेशालय के स्टाफ सदस्य सुमन ढाका, महेंद्र प्रताप सिंह एवं रिया सिंह उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री हेल्थ इंश्योरेंस स्कीमः स्कीम के तहत 1.91 लाख बेनिफिशियरी रजिस्टर्ड, डिप्टी कमिश्नर

बठिंडा, 18 अप्रैलः (सुरेश रहेजा, परवीन कुमार, साहिल रहेजा) मुख्यमंत्री हेल्थ इंश्योरेंस स्कीम लोगों के लिए वरदान साबित हो रही है, जिसके तहत लोगों को 10 लाख रुपये तक के फ्री इलाज की सुविधा मिल रही है। बठिंडा जिले में अब तक इस स्कीम के तहत 1,91,007 लोगों ने बेनिफिशियरी के तौर पर रजिस्टर्ड कराया है, जबकि जिले के अलग-अलग सरकारी अस्पतालों में 12,578 पेशेंट्स ने इसका फायदा उठाया है। यह जानकारी डिप्टी कमिश्नर बठिंडा श्री राजेश धीमान ने आज इस बारे में बुलाई गई एक मीटिंग के दौरान दी। उन्होंने बताया कि एडवांस कैंसर केयर इंस्टीट्यूट बठिंडा में इस स्कीम के तहत 2,068 पेशेंट्स का फ्री इलाज किया गया है। उन्होंने आगे बताया कि जिले के 13 सरकारी अस्पतालों में कुल 5,584 पेशेंट्स का फ्री इलाज किया गया है। इनमें डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल बठिंडा, सब डिविजनल हॉस्पिटल रामपुरा, तलवंडी साबो और घुड़ा शामिल हैं। इसके अलावा कम्युनिटी हेल्थ सेंटर गोनियाना, रमन, संगत, भगता, बालियांवाली, मौर, मेहराज, नथाना और भुच्चो में भी मरीजों को फ्री इलाज की सुविधा दी गई। डिप्टी कमिश्नर ने आदेश दिया कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को बेनिफिशियरी के तौर पर रजिस्टर किया जाए ताकि समाज के हर वर्ग को इस स्कीम का फायदा मिल सके। चीफ मिनिस्टर हेल्थ स्कीम के तहत कौन रजिस्टर कर सकता है पंजाब के सभी नागरिक, चाहे उनकी इनकम कुछ भी हो, इस हेल्थ इंश्योरेंस स्कीम के तहत रजिस्टर कर सकते हैं। क्या फायदा है इस स्कीम के तहत हर परिवार को हर साल 10 लाख तक का कैशलेस हेल्थ इंश्योरेंस मिलता है। इसमें दिल, कैंसर, सर्जरी वगैरह समेत कई बीमारियों का इलाज किया जाता है। कैसे रजिस्टर करें कोई भी व्यक्ति अपने वोटर कक कार्ड और आधार कार्ड के साथ अपने नजदीकी सरकारी हॉस्पिटल या कॉमन सर्विस सेंटर (CSC) में जाकर रजिस्टर कर सकता है। हर परिवार से 18 साल से ज्यादा उम्र के कम से कम दो सदस्यों का आना जरूरी है। 18 साल से कम उम्र वालों को बर्थ सर्टिफिकेट जमा करना होगा।

दक्ष प्रजापति चौक के निर्माण को लेकर समाज की बैठक, कमेटी बनाने को लेकर बनी रणनीति

कैथल (कृष्ण प्रजापति): शहर में दक्ष प्रजापति चौक के निर्माण की मांग को लेकर समाज के गणमान्य लोगों की एक महत्वपूर्ण बैठक करनाल रोड स्थित भारतीय प्रजापति हीरोज ऑर्गेनाइजेशन (बीपीएचओ) के जिला कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में समाज के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों ने भाग लिया और इस मांग को लेकर विस्तृत चर्चा की। बैठक में उपस्थित समाज के लोगों ने कहा कि कैथल में दक्ष प्रजापति चौक का निर्माण समाज की लंबे समय से चली आ रही मांग है, जिसे अब शीघ्र पूरा किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस चौक के निर्माण से न केवल समाज की पहचान मजबूत होगी, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी अपनी सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने का अवसर मिलेगा। समाज के प्रतिनिधियों ने एकजुट होकर इस मांग को प्रशासन और सरकार तक मजबूती से पहुंचाने का निर्णय लिया। उन्होंने बताया कि इस संबंध में जल्द ही एक 11 या 21 सदस्यीय कमेटी बनाई जाएगी जिसको लेकर अगले सप्ताह फिर से बैठक बुलाई जाएगी और संबंधित अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों से मुलाकात करके ज्ञापन सौंपा जाएगा, ताकि चौक के निर्माण की प्रक्रिया को गति मिल सके। बैठक में यह भी तय किया गया कि समाज के अधिक से अधिक लोगों को इस अभियान से जोड़ा जाएगा और शांतिपूर्ण व संगठित तरीके से अपनी बात प्रशासन और सरकार तक पहुंचाई जाएगी। इस अवसर पर कैथल प्रजापति धर्मशाला के प्रधान पवन थूआ, सुभाष कुराड, बीपीएचओ के पूर्व जिला अध्यक्ष बलबीर नौच, प्रदेश उपाध्यक्ष राजपाल प्रजापति, मास्टर शमशेर कालिया, होशियार सिंह किच्छाना, राष्ट्रीय मीडिया सह प्रभारी कृष्ण टीक, अरविंद कल्याण, गुरमेल प्रजापति (तारागढ़), विक्की बाबा लदाना, सोनू खुराना, जॉनी बंदराना, बिट्टू बंदराना सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। बैठक के अंत में सभी उपस्थित सदस्यों ने एक स्वर में दक्ष प्रजापति चौक के निर्माण की मांग को जल्द से जल्द पूरा करने की अपील की और इसके लिए सामूहिक प्रयास जारी रखने का संकल्प लिया।

अक्षय तृतीया देती है अक्षय फल, आस्था और शुभ कार्यों का विशेष पर्व : पंडित रवि दत्त शास्त्री

कैथल (कृष्ण प्रजापति): भारत को त्योहारों और उत्सवों की भूमि कहा जाता है, जहां प्रत्येक पर्व जीवन में नई ऊर्जा, उल्लास और आध्यात्मिक चेतना का संचार करता है। इन्हीं प्रमुख पर्वों में से एक है अक्षय तृतीया, जिसका हिंदू धर्म में विशेष धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व माना जाता है। इस अवसर पर प्रख्यात विद्वान पंडित रवि दत्त शास्त्री ने अक्षय तृतीया के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे अक्षय फल प्रदान करने वाला पर्व बताया। पंडित रवि दत्त शास्त्री के अनुसार, शास्त्रों में वर्णित है कि अक्षय तृतीया के दिन से सतयुग और त्रेता युग का आरंभ हुआ था। इस दिन किए गए जप, तप, दान और पुण्य कर्म कभी नष्ट नहीं होते, बल्कि अक्षय फल प्रदान करते हैं। यही कारण है कि इस पर्व को अक्षय तृतीया के नाम से जाना जाता है। उन्होंने बताया कि अक्षय तृतीया एक स्वयंसिद्ध शुभ मुहूर्त है, जिसके लिए किसी विशेष पंचांग देखने की आवश्यकता नहीं होती। जिन लोगों को विवाह या अन्य मांगलिक कार्यों के लिए उपयुक्त मुहूर्त नहीं मिल पाता, वे इस दिन अपने सभी शुभ कार्य बिना संकोच संपन्न कर सकते हैं। इस दिन बड़ी संख्या में विवाह संपन्न होते हैं और कन्यादान को विशेष पुण्यदायी माना गया है। पंडित शास्त्री ने आगे कहा कि इस पावन दिन व्रत और उपवास रखने, दान-पुण्य करने तथा भगवान की भक्ति में लीन रहने का विशेष महत्व है। उन्होंने बताया कि भगवान परशुराम का अवतरण भी इसी दिन हुआ था, इसलिए इस दिन भगवान परशुराम की पूजा-अर्चना कर उन्हें अर्घ्य अर्पित करना अत्यंत फलदायी माना गया है। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वे इस दिन श्रद्धा और विश्वास के साथ अपने इष्ट देव एवं गुरु का आशीर्वाद प्राप्त करें, जिससे जीवन में सुख-समृद्धि और कल्याण का मार्ग प्रशस्त होता है। पंडित रवि दत्त शास्त्री ने कहा कि अक्षय तृतीया न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि यह हमें जीवन को सकारात्मकता, परोपकार और संस्कारों के साथ जीने का संदेश भी देता है।

मुख्यमंत्री राहत कोष से बालू के पीड़ित किसान को मिली सहायता

कैथल (कृष्ण प्रजापति): गांव बालू रापड़िया पट्टी के निवासी अमित कुमार पुत्र सत्यनारायण को मुख्यमंत्री राहत कोष से एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। उल्लेखनीय है कि करीब दो महीने पहले अमित कुमार के चार दुधारू पशुओं का अचानक देहांत हो गया था, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा था। इस कठिन परिस्थिति में बालू मण्डल अध्यक्ष भाजपा नरेन्द्र जुलानी खेड़ा ने व्यक्तिगत रूप से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात कर पीड़ित परिवार की स्थिति से अवगत कराया और आर्थिक मदद की मांग की। उनकी पहल पर मुख्यमंत्री ने तुरंत संज्ञान लेते हुए राहत कोष से एक लाख रुपये की सहायता राशि मंजूर की। इसी कड़ी में कलायत के एसडीएम अजय हुड्डा ने स्वयं गांव पहुंचकर अमित कुमार को एक लाख रुपये का चेक सौंपा।बालू मण्डल की ओर से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का इस सहायता के लिए आभार व्यक्त किया गया। ग्रामीणों ने कहा कि सरकार की इस पहल से पीड़ित परिवार को बड़ी राहत मिली है। इस मौके पर गांव के गणमान्य लोग उपस्थित रहे, जिनमें मोनी बालू, बलजीत बालू, चेयरमैन प्रतिनिधि शमशेर बालू, कृष्ण बालू, संपूर्ण प्रधान, कलाधारी, फौजी वीरभान जुलानीखेड़ा, फूल सिंह फौजी, अजमेर ढांडा, दिलबाग सिंह, कुलदीप फौजी सहित अन्य ग्रामीण शामिल रहे।

मुख्यमंत्री का हावड़ा में प्रवासी राजस्थानियों ने किया अभिनंदन

कोलकाता/जयपुर, 18 अप्रेल 2026। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा का शनिवार को पश्चिम बंगाल के हावड़ा में प्रवासी राजस्थानियों की ओर से अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि पश्चिम बंगाल में राजस्थान की तरह सुशासन चाहिए तो भ्रष्टाचार, कटमनी और तुष्टिकरण वाली वर्तमान सरकार को उखाड़ फेंकना होगा। इसके लिए प्रवासी राजस्थानियों को अपनी पूरी ताकत के साथ भाजपा को जिताना होगा। नारी शक्ति जरूर लेगी अपने अपमान का बदला मुख्यमंत्री ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के राष्ट्र के नाम संबोधन पर कहा कि आजादी के 70 साल बाद स्थितियां काफी बदल गई हैं, ऐसे में महिलाओं को उनका पूरा अधिकार मिलना चाहिए। 70 सालों में कांग्रेस ने नारी शक्ति को आगे बढ़ाने के लिए कुछ नहीं किया, वहीं प्रधानमंत्री द्वारा जन-धन योजना, उज्ज्वला योजना जैसे नवाचारों से महिलाओं को आगे बढ़ाने का काम किया गया है। इसी क्रम में महिलाओं की सहभागिता संसद और विधानसभाओं में बढ़ाने के नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लिए जरूरी संविधान संशोधन बिल लाया गया, लेकिन कांग्रेस, टीएमसी एवं समर्थित दलों की ओछी राजनीति के कारण यह पारित नहीं हो पाया। ऐसे में महिलाओं को उनके अपमान की बात और विपक्ष की मानसिकता को घर-घर पहुंचाना होगा। क्योंकि नारी शक्ति को लेकर विपक्ष की पुरानी सोच कायम है और यही नारी शक्ति आने वाले समय में जवाब जरूर देगी। उन्होंने मशहूर कहावत जहां ना पहुंचे रेलगाड़ी, वहां पहुंचे बैलगाड़ी और जहां ना पहुंचे बैलगाड़ी, वहां पहुंचे मारवाड़ी का जिक्र करते हुए कहा कि प्रवासी राजस्थानी चाहे कहीं भी रहे, राजस्थानी की संस्कृति कभी भी नहीं भूलता है। खास तौर पर सामाजिक सरोकारों में राजस्थानियों की भूमिका अग्रणी होती है और वे शिक्षा, चिकित्सा जैसे सेवा क्षेत्रों में अपना सहयोग बढ़-चढ़कर देते हैं। यही कारण है कि राजस्थानियों ने अपनी मिट्टी की खुशबू को पूरे विश्व में फैलाया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान फाउंडेशन के माध्यम से सवा दो साल के अंदर देश में 26 और विदेश में 14 चैप्टर खोले हैं। मुख्यमंत्री ने प्रवासी राजस्थानियों का आह्वान करते हुए कहा कि राजस्थान में भी उद्योग लगाएं, ताकि अपनी मातृभूमि में आना-जाना लगा रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजन विकास भी एवं विरासत भीह्न के अनुसार राज्य सरकार द्वारा शेखावाटी की विश्व प्रसिद्ध हवेलियों के संरक्षण का कार्य करवाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल समिट के जरिए 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू साइन किए गए, जिनमें से 9 लाख करोड़ रुपये के एमओयू धरातल पर उतर रहे हैं।

विकसित राजस्थान-2047 के लक्ष्य की पूर्ति में गुड गवर्नेंस और सिटीजन सेंट्रिक प्रशासन मुख्य कारक है : मुख्य सचिव

जयपुर, 18 अप्रैल। मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास ने बताया कि रिफॉर्म को अपने साधन के रूप में, लचीलेपन को अपनी ताकत के रूप में, चुनौतियों को अवसरों के रूप में और परिणामों को अपने मापदंड के रूप में अपनाते हुए राजस्थान राष्ट्र के लिए एक आदर्श विकास मॉडल बनता जा रहा है।

शनिवार को आरआईसी में "विकसित राजस्थान 2047: गवर्नेंस ट्रांसफॉर्मड" विषय पर चर्चा में भाग लेते हुए करते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि राजस्थान 'विकसित भारत 2047' की यात्रा में एक निर्णायक भूमिका निभाने के लिए एक अद्वितीय स्थिति में है। उसे अपने प्राकृतिक संसाधनों, स्वच्छ ऊर्जा की क्षमता, पर्यटन, कृषि और रणनीतिक स्थिति से ताकत मिल रही है। उन्होंने कहा कि राज्य के विकास का मार्ग समावेश, समानता, स्थिरता और सुशासन पर आधारित है, जो 2047 तक एक विकसित, समृद्ध, समतामूलक और भविष्य-तैयार भारत बनाने के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के साथ जुड़ा हुआ है। 'अमृत काल' (2022–2047) उस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एक परिवर्तनकारी चरण के रूप में कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' लक्ष्य के अनुरूप अगले 25 वर्षों के लिए एक महत्वाकांक्षी, परिणाम-उन्मुख सुशासन एजेंडे की आवश्यकता है, जो नागरिकों को सशक्त बनाए, अन्त्योदय की भावना के अनुरूप सबसे गरीब, सबसे वंचित को सबसे पहले सेवा दे। राज्य सरकार सुशासन के इस एजेंडे को सफलतापूर्वक लागू कर रही है, 'पंच प्रण' के अनुरूप इनिशिएटिव्स को लागू करने के लिए संकल्पबद्ध है।

श्री वी. श्रीनिवास ने कहा कि इस परिवर्तन का मार्गदर्शक ढांचा 'GYAN' – गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति – पर आधारित है। राज्य का सुधार एजेंडा समावेशी विकास, बेहतर सेवा वितरण और अवसरों तक व्यापक पहुंच के माध्यम से इन चार स्तंभों के लिए मापने योग्य परिणाम देने के लिए तैयार किया गया है। मुख्य सचिव ने कहा कि'विकसित राजस्थान-2047' विजन डॉक्यूमेंट अक्टूबर, 2025 में लॉन्च किया गया। यह राज्य विजन महज एक आकांक्षा नहीं बल्कि 2047 तक राजस्थान को एक समृद्ध राज्य और समावेशी विकास का आदर्श मॉडल बनाने का एक व्यावहारिक रोडमैप है। लॉन्च के समय मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा कहा था कि यह विजन डॉक्यूमेंट एक समृद्ध, समावेशी और भविष्य के लिए तैयार राजस्थान बनाने की स्पष्ट प्रतिबद्धता को दशार्ता है और राज्य सरकार इस प्रतिबद्धता को धरातल पर उतार रही है।

किसान गेहूं के डंठलों में आग न लगाएं, डिप्टी कमिश्नर डिप्टी कमिश्नर ने 4 मोबाइल वैन भेजीं

बठिंडा, 18 अप्रैलः (सुरेश रहेजा, परवीन कुमार, साहिल रहेजा) बठिंडा के डिप्टी कमिश्नर श्री राजेश धीमान ने डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेटिव कॉम्प्लेक्स से 4 मोबाइल अवेयरनेस वैन भेजीं, जिनके जरिए किसानों को गेहूं के डंठलों में आग न लगाने के बारे में बताया जाएगा। इस मौके पर रिपोर्टर्स से बात करते हुए उन्होंने कहा कि ये अवेयरनेस वैन एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट की तरफ से गेहूं के डंठलों में आग न लगाने के लिए चलाए गए कैंपेन के तहत भेजी गई हैं। उन्होंने कहा कि जहां आम लोग प्रदूषित माहौल से परेशान हैं, वहीं किसानों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि किसान पहले से ही जागरूक हैं, जिनकी कोशिशों से खेती के वेस्ट में आग लगाने की घटनाएं कम हुई हैं। उन्होंने कहा कि ये वैन जिले के सभी ब्लॉक में जाएंगी। किसानों, गांववालों और दूसरे लोगों को मार्केट, खेतों, गांवों में जाकर और जागरूक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ये वैन ब्लॉक अधिकारियों के साथ कोऑर्डिनेशन करके रूट के हिसाब से चलाई जाएंगी।

इस बीच, चीफ एग्रीकल्चर ऑफिसर बठिंडा डॉ. हरप्रीतपाल कौर ने कहा कि जमीन की उपजाऊ शक्ति बनाए रखने के लिए किसान गेहूं के भूसे से खाद बना सकते हैं या उसे खेतों में जोत सकते हैं। इससे पर्यावरण और खासकर इंसानी सेहत ठीक रहती है। उन्होंने कहा कि डिपार्टमेंट हर साल ऐसा ही कैंपेन चलाता है, जिससे पिछले सालों के मुकाबले गेहूं या धान की पराली में आग लगाने की घटनाओं में काफी फर्क आया है।

इस मौके पर डॉ. दविंदर सिंह संधू APPO, श्री गुरजीत एग्रीकल्चर इंजीनियर, श्री सुखदीप सिंह जूनियर टेक्नीशियन और श्री नवजीत ढिल्लों कंप्यूटर ऑपरेटर मौजूद थे।

राज्य सरकार सरकारी स्कूलों में हर तरह की सुविधाएं देने के लिए पूरी तरह तैयार है और कोशिश कर रही है : चेयरमैन हरदीप सिंह सरां

बठिंडा, 18 अप्रैलः (सुरेश रहेजा, परवीन कुमार, साहिल रहेजा) मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार शिक्षा के स्टैंडर्ड को और बेहतर बनाने के लिए हर दिन नई योजनाएं बना रही है। ये बातें जिला प्लानिंग बोर्ड के चेयरमैन श्री हरदीप सिंह सरां ने बठिंडा (रूरल) विधानसभा क्षेत्र के गांव गहरी बुट्टर के सरकारी प्राइमरी स्कूल में लगभग 7.5 लाख रुपये और चक रुलदू सिंह वाला के सरकारी प्राइमरी स्कूल में लगभग 17 लाख रुपये की लागत से बने मॉडर्न क्लासरूम का उद्घाटन करने के मौके पर कहीं। इस मौके पर बठिंडा (रूरल) के हलका इंचार्ज जसविंदर सिंह सिंडा खास तौर पर मौजूद थे। इस दौरान, डिस्ट्रिक्ट प्लानिंग बोर्ड के चेयरमैन श्री हरदीप सिंह सरां ने कहा कि पंजाब सरकार एजुकेशन क्रांति के जरिए बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर देकर राज्य के स्कूलों में क्वालिटी एजुकेशन देने की लगातार कोशिश कर रही है। पंजाब के सरकारी स्कूलों को पूरे देश में मॉडल स्कूल बनाया जा रहा है ताकि सभी क्लास के बच्चों को बेहतर तरीके से एजुकेशन दी जा सके। इस मौके पर हलका इंचार्ज बठिंडा (रूरल) श्री जसविंदर सिंह सिंडा ने कहा कि एजुकेशन क्रांति के तहत सरकारी स्कूलों में स्टूडेंट्स को मॉडर्न क्लासरूम, मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर और जरूरी सुविधाएं दी गई हैं जो टीचर्स और स्टूडेंट्स के लिए और उनके ओवरऑल डेवलपमेंट में फायदेमंद साबित हो रही हैं। इस मौके पर हरमंदर सिंह बराड़ (रिटायर्डः BPEO) एजुकेशन कोऑर्डिनेटर मालवा वेस्ट जोन, जसवंत सिंह हलका एजुकेशन कोऑर्डिनेटर, स्कूल प्रिंसिपल गुरबख्श सिंह, कुलविंदर कौर के साथ सभी टीचर्स, बच्चे, स्कूल कमेटी चेयरमैन और सभी मेंबर्स (स्कूल मैनेजमेंट कमेटी), ग्राम पंचायतें, गांववाले और वर्कर और दूसरे ऑफिस बेयरर्स मौजूद थे।

कोलकाता में श्री श्याम मंदिर एवं दक्षिणेश्वर काली मंदिर में की पूजा-अर्चना

श्री श्याम मंदिर में उपस्थित श्रद्धालुओं को भी किया संबोधित

कोलकाता/जयपुर, 18 अप्रेल। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के कोलकाता में श्री श्याम मंदिर एवं दक्षिणेश्वर काली मंदिर में दर्शन किए और पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली के लिए कामना की। मुख्यमंत्री ने श्री श्याम मंदिर में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि बाबा की भक्ति और भक्तों के उत्साह का अनूठा संगम अभिभूत करने वाला है।

उन्होंने कहा कि बाबा श्याम के आशीर्वाद से पश्चिम बंगाल जल्द ही सोनार बांग्ला के पथ पर अग्रसर होगा। मुख्यमंत्री ने दक्षिणेश्वर काली मंदिर की विजिटर बुक में अनुभवों को भी साझा किया। उन्होंने कहा कि आदिशक्ति मां काली मंदिर के विग्रह की दिव्यता और परिसर की प्राणवायु में अद्वितीय शांति और सकारात्मक ऊर्जा है। विशेष रूप से श्री रामकृष्ण परमहंस देव और स्वामी विवेकानंद जी के कक्षों के दर्शन कर उनकी साधना और गुरु-शिष्य के महान मिलन की जीवंत अनुभूति हुई, जिन्होंने आधुनिक विश्व को एक नई दिशा दी। शक्ति स्वरूपा मां काली समस्त जगत का कल्याण कर सभी के जीवन में नई चेतना का संचार करें।

कोलकाता में आयोजित राजस्थान प्रवासी सम्मेलन में की शिरकत

कोलकाता/जयपुर, 18 अप्रेल। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि स्वाभिमान और देशभक्ति हर राजस्थानी के मन में समाहित है। वे देश-दुनिया में कहीं भी चले जाएं सामाजिक सरोकारों से अपना स्थान बना ही लेते हैं। उन्होंने अपनी कर्मभूमि और जन्मभूमि दोनों से गहरा जुड़ाव बनाए रखा है। वे दुनिया के हर हिस्से में अपनी मेहनत, संघर्ष और सफलता से राजस्थान गौरव बढ़ा रहे हैं। श्री शर्मा पश्चिम बंगाल दौरे के दूसरे दिन शनिवार को कोलकाता में आयोजित राजस्थान प्रवासी सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा राजस्थान फाउंडेशन के माध्यम से प्रवासी राजस्थानियों के जुड़ाव को और मजबूत किया जा रहा है। वर्तमान में राजस्थान फाउंडेशन के 40 चैप्टर्स संचालित हैं। कालीघाट एवं गोविंदम इस्कॉन मंदिर में किए दर्शन मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम से पहले कालीघाट मंदिर और गोविंदम इस्कॉन मंदिर के दर्शन किए। उन्होंने कालीघाट मंदिर में विधि-विधान से मां काली की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया और समस्त प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं उत्तम स्वास्थ्य की प्रार्थना की। इसके पश्चात मुख्यमंत्री कोलकाता के बेलीगंज स्थित गोविंदम इस्कॉन मंदिर पहुंचे और वहां श्री राधा कृष्ण के दर्शन और पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं के साथ आत्मीयता से चाय पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार पश्चिम बंगाल में सत्ता

परिवर्तन होना सुनिश्चित है। हम सभी को मिलकर भारतीय जनता पार्टी को पश्चिम बंगाल में विजयी बनाना है। पश्चिम बंगाल की स्थिति किसी से छुपी हुई नहीं है। अगर पश्चिम बंगाल में भी राजस्थान जैसा विकास चाहते हैं तो भारतीय जनता पार्टी को ज्यादा से ज्यादा वोट दिलाने के लिए जुट जाएं। पश्चिम बंगाल में भी डबल इंजन सरकार के नेतृत्व में तीव्र विकास होगा।

राजस्थान में पर्यटन एवं उद्योग की अपार संभावनाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में हर क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि औद्योगिक विकास, ऊर्जा, पर्यटन और सामाजिक क्षेत्र में राजस्थान तेजी से उभर रहा है और यह प्रवासी व स्थानीय उद्योगों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। राज्य के खनिज संसाधन तथा प्रदेश के पर्यटन स्थल की विश्व में अपनी पहचान है।

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेशवासियों को दी अक्षय तृतीया की शुभकामनाएं

जयपुर, 18 अप्रेल। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने अक्षय तृतीया (19 अप्रेल) पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति में अक्षय तृतीया का विशेष महत्व है। यह तिथि नए कार्यों की शुरूआत और मांगलिक आयोजनों के लिए अत्यंत शुभ और पुण्य फलदायी है।

श्री शर्मा ने कहा कि प्रगतिशील और जागरूक समाज के निर्माण के लिए प्रत्येक नागरिक की भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे समाज में व्याप्त बाल-विवाह जैसी कुरीतियों को दूर करने में अपना योगदान दें।

वैश्विक तनाव के बीच भारत की सधी हुई चाल, ऑस्ट्रिया के साथ सहयोग बढ़ाकर मोदी ने किया कमाल

नीरज कुमार दुबे

भारत और ऑस्ट्रिया के संबंध पहले से ही अवसंरचना, नवाचार और सतत विकास के क्षेत्रों में मजबूत रहे हैं। दिल्ली मेट्रो और अटल सुरंग जैसे महत्वपूर्ण परियोजनाओं में ऑस्ट्रिया की तकनीकी विशेषज्ञता का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

भारत और ऑस्ट्रिया के बीच संबंधों को नई दिशा देने वाली एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक पहल के तहत ऑस्ट्रिया के चांसलर क्रिश्चियन स्टॉकर की भारत यात्रा ऐतिहासिक मानी जा रही है। लगभग चार दशकों के बाद किसी ऑस्ट्रियाई चांसलर का भारत आगमन न केवल द्विपक्षीय संबंधों की मजबूती का संकेत है, बल्कि यह वैश्विक परिदृश्य में बदलती प्राथमिकताओं के बीच नई साझेदारी के निर्माण का भी प्रतीक है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चांसलर स्टॉकर का स्वागत करते हुए इसे विशेष अवसर बताया और इस बात पर जोर दिया कि यूरोप के बाहर अपनी पहली यात्रा के लिए भारत को चुनना ऑस्ट्रिया की भारत के प्रति गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह यात्रा ऐसे समय में हुई है जब भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते के बाद आर्थिक और रणनीतिक सहयोग के नए अवसर सामने आए हैं।

भारत और ऑस्ट्रिया के संबंध पहले से ही अवसंरचना, नवाचार और सतत विकास के क्षेत्रों में मजबूत रहे हैं। दिल्ली मेट्रो और अटल सुरंग जैसे महत्वपूर्ण परियोजनाओं में ऑस्ट्रिया की तकनीकी विशेषज्ञता का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इसके अलावा रेलवे परियोजनाओं, रोपवे, स्वच्छ ऊर्जा और शहरी विकास जैसे क्षेत्रों में भी ऑस्ट्रियाई कंपनियों की सक्रिय भागीदारी रही है।

इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच कुल पंद्रह महत्वपूर्ण समझौते और पहलें सामने आईं, जो रक्षा, प्रौद्योगिकी, व्यापार, नवाचार और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों को कवर करती हैं। इनमें सबसे प्रमुख है आतंकवाद के खिलाफ संयुक्त कार्य समूह की स्थापना का प्रस्ताव, जो वैश्विक स्तर पर आतंकवाद से निपटने में रणनीतिक सहयोग को मजबूत करेगा।

रक्षा क्षेत्र में भी सहयोग को नई गति देने के लिए सैन्य मामलों में सहयोग पर एक आशय पत्र पर सहमति बनी है। इसके तहत रक्षा उद्योग, नीति संवाद, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण को बढ़ावा दिया जाएगा। यह पहल भारत और यूरोप के बीच हाल ही में हुए सुरक्षा सहयोग को भी मजबूती प्रदान करेगी।

आर्थिक संबंधों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक फास्ट ट्रैक तंत्र स्थापित करने की घोषणा की गई है, जिससे दोनों देशों की कंपनियों और निवेशकों को आने वाली समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जा सकेगा। इससे व्यापार को सुगम बनाने और निवेश को प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है।

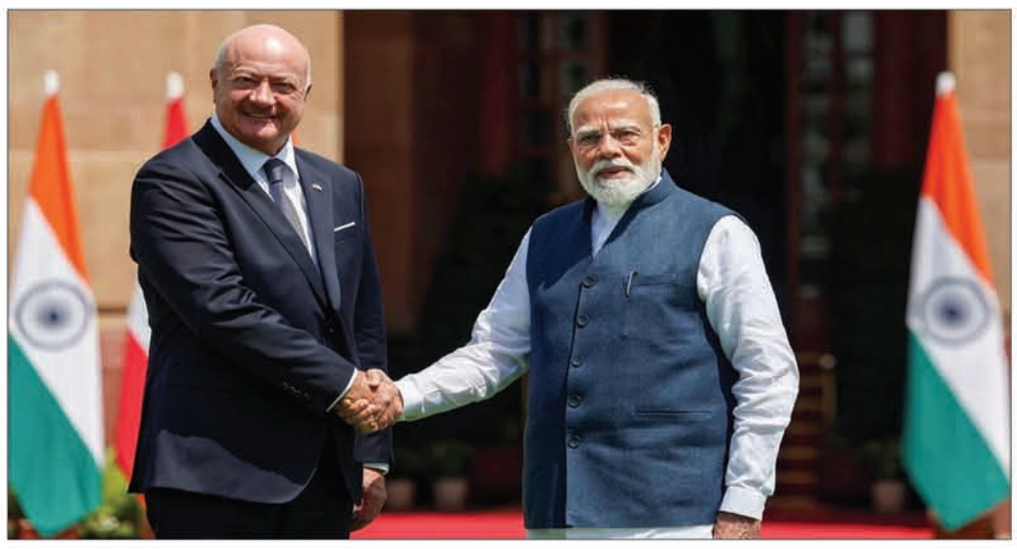

सांस्कृतिक और रचनात्मक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए ऑडियो विजुअल सह उत्पादन समझौता किया गया है, जिससे दोनों देशों के फिल्म उद्योग के बीच संयुक्त निर्माण और सांस्कृतिक आदान प्रदान को बढ़ावा मिलेगा। खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में भी एक महत्वपूर्ण समझौता हुआ है, जिसके तहत वैज्ञानिक सहयोग, मानकों के आदान प्रदान और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा किया जाएगा। इससे कृषि और खाद्य उत्पादों के व्यापार को भी मजबूती मिलेगी।

इसके अलावा, दोनों देशों के बीच कौशल विकास और व्यावसायिक प्रशिक्षण को बढ़ावा देने के लिए एक संयुक्त आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिसमें प्रशिक्षुता प्रणाली, ज्ञान साझा करने और योग्यता की पारस्परिक मान्यता पर जोर दिया गया है। इसके अलावा शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए संरचित संवाद शुरू करने और तकनीकी विश्वविद्यालयों के माध्यम से भारतीय छात्रों के लिए नए अवसर उपलब्ध कराने की पहल भी की गई है।

इस यात्रा के दौरान स्टार्टअप सहयोग को बढ़ाने, साइबर सुरक्षा संवाद शुरू करने, अंतरिक्ष उद्योग में संयुक्त सेमिनार आयोजित करने और वर्किंग हॉलिडे कार्यक्रम को लागू करने जैसी घोषणाएं भी की गईं। उच्च प्रौद्योगिकी जैसे क्वांटम तकनीक, मशीन लर्निंग, जल शोधन और सामग्री विज्ञान में संयुक्त अनुसंधान को साझेदारी का मुख्य आधार बनाया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर यह भी कहा कि भारत की प्रतिभा और ऑस्ट्रिया की नवाचार क्षमता मिलकर वैश्विक स्तर पर भरोसेमंद तकनीक और आपूर्ति श्रृंखला विकसित कर सकती है। उन्होंने रक्षा, सेमीकंडक्टर, जैव प्रौद्योगिकी और क्वांटम क्षेत्रों में सहयोग की अपार संभावनाओं को रेखांकित किया। इसके अलावा, मानव संसाधन के क्षेत्र में भी दोनों देशों ने प्रगति की दिशा में कदम बढ़ाया है। वर्ष 2023 में हुए प्रवासन और गतिशीलता समझौते के तहत अब नर्सिंग क्षेत्र में भी सहयोग को विस्तार दिया जाएगा। युवा आदान प्रदान को प्रोत्साहित करने के लिए वर्किंग हॉलिडे कार्यक्रम की शुरूआत की गई है।

साथ ही वैश्विक परिदृश्य पर चर्चा करते हुए दोनों देशों ने इस बात पर सहमति जताई कि सैन्य संघर्ष किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। चाहे यूक्रेन का संकट हो या पश्चिम एशिया की स्थिति, दोनों देशों ने स्थायी और शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन किया। साथ ही वैश्विक संस्थाओं में सुधार और आतंकवाद के पूर्ण उन्मूलन की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया।

हम आपको एक बार फिर बता दें कि ऑस्ट्रिया भारत के लिए एक महत्वपूर्ण यूरोपीय साझेदार है। यह मध्य और पूर्वी यूरोप में प्रवेश का एक प्रमुख द्वार है और हरित प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा तथा उन्नत इंजीनियरिंग में इसकी विशेषज्ञता भारत के विकास कार्यक्रमों के लिए उपयोगी है। दोनों देशों के बीच व्यापार लगातार बढ़ रहा है और यह लगभग तीन अरब डॉलर के स्तर तक पहुंच चुका है।

देखा जाये तो भारत और ऑस्ट्रिया के बीच मजबूत होते संबंधों का प्रभाव वैश्विक भू-राजनीति पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई देगा। यूरोप के मध्य में स्थित ऑस्ट्रिया, भारत के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीतिक सेतु का काम करता है, जिससे भारत को यूरोप के बाजारों, तकनीक और निवेश तक बेहतर पहुंच मिलती है। इस सहयोग से भारत की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भूमिका और अधिक मजबूत होगी, विशेषकर उच्च प्रौद्योगिकी, रक्षा और हरित ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में। इसके साथ ही, ऑस्ट्रिया का भारत के प्रति समर्थन अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की स्थिति को सुदृढ़ करेगा, खासकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता जैसे मुद्दों पर। दक्षिण एशिया के संदर्भ में यह साझेदारी भारत की रणनीतिक बढ़त को और मजबूत करेगी, क्योंकि उन्नत तकनीक, रक्षा सहयोग और आर्थिक निवेश के माध्यम से भारत क्षेत्रीय नेतृत्व को और प्रभावी ढंग से स्थापित कर सकेगा। इससे न केवल भारत की सुरक्षा क्षमताएं बढ़ेंगी, बल्कि वह क्षेत्र में स्थिरता, विकास और संतुलन बनाए रखने में भी अधिक सक्षम भूमिका निभा सकेगा।

बहरहाल, ऑस्ट्रिया के चांसलर की भारत यात्रा ने यह स्पष्ट कर दिया है कि दोनों देशों के संबंध अब पारंपरिक सहयोग से आगे बढ़कर नवाचार केंद्रित और भविष्य उन्मुख साझेदारी की ओर अग्रसर हैं। दोनों देशों ने मिलकर एक ऐसे सहयोग मॉडल की नींव रखी है जो न केवल द्विपक्षीय हितों को साधेगा, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी स्थिरता और प्रगति में योगदान देगा।

संपादकीय

कार्यस्थल पर भयावह

देश की एक प्रमुख आईटी कंपनी की नासिक शाखा में यौन उत्पीड़न और जबरन धर्म परिवर्तन के प्रयासों के चौंकाने वाले आरोप परेशान करने वाले हैं। निस्संदेह, यह प्रकरण बेहद गंभीर है और इन आरोपों ने कार्यस्थल की सुरक्षा जैसे नजरअंदाज किए जा रहे महत्वपूर्ण मुद्दे पर फिर देश का ध्यान आकर्षित किया है। यह आरोप है कि पुरुष कर्मचारियों का एक समूह महिला सहकर्मियों को निशाना बनाने के लिए एक ह्यसंगठित गिरोहह्न की तरह काम कर रहा था। निश्चित रूप से यह घटनाक्रम कंपनी प्रबंधन की उस घोर लापरवाही को ही उजागर करता है जिस के चलते समय रहते इस तरह के यौन उत्पीड़न व धर्म परिवर्तन की कोशिशों पर अंकुश नहीं लग सका। यह विडंबना ही है कि मानव संसाधन प्रबंधक ने कथित तौर पर पीड़िता को शिकायत दर्ज कराने से यह कहकर रोका कि ह्यऐसी चीजें होती रहती हैं ह्न आक्षेप लगाया गया है कि इस प्रकरण में आरोपी का ही पक्ष लिया गया। निश्चित तौर पर यह दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम कॉर्पोरेट जगत में व्याप्त विद्रूपताओं और एक गहरी तथा व्यापक विफलता की ओर ही इशारा करता है। जबकि दावा यह किया जाता रहा है कि कॉर्पोरेट जगत की प्राथमिकता कर्मचारियों की सुरक्षा और गरिमा को सुनिश्चत करना है। इसमें दो राय नहीं है कि जब यौन उत्पीड़न रोकथाम ढांचे को लागू करने के लिये जिम्मेदार उच्च पदों पर आसीन व्यक्तियों पर दुर्व्यवहार को सामान्य या मामूली बात समझने का आरोप लगता है, तो सारे संस्थागत सुरक्षा उपाय ध्वस्त हो जाते हैं। निर्विवाद रूप से यह एक दुर्भाग्यपूर्ण प्रवृत्ति है, जब पीड़ित महिला कर्मचारी को न केवल अपराधियों द्वारा बल्कि उनकी सुरक्षा का दायित्व संभालने वालों द्वारा भी चुप कराने के प्रयास किये जाते हैं। एक बार फिर से पुलिस के हस्तक्षेप और परामर्श के बाद ही कई पीड़ित महिला कर्मचारियों ने आगे आने का साहस जुटाया है। जिसके बाद ही मामले में प्राथमिकी दर्ज हो पायी है। बहरहाल, इस दुर्भाग्यपूर्ण प्रकरण को लेकर एक असहज करने वाला प्रश्न यह उठता है कि क्यों भय, सामाजिक कलंक अथवा संस्थागत उदासीनता के कारण देश भर के विभिन्न कार्यस्थलों में ऐसे कितने ही यौन उत्पीड़न के मामले उजागर नहीं हो पाते हैं? इसमें दो राय नहीं कि इस मामले में जांच बिना किसी पुर्वाग्रह के आगे बढ़नी चाहिए। निर्विवाद रूप से आईटी कंपनी के नासिक प्रकरण में सांप्रदायिक या राजनीतिक रंग देने का प्रयास इस संकट की मूल चिंताओं को धूमिल करने का जोखिम जरूर पैदा कर सकता है। निस्संदेह, ऐसी घटनाओं को धार्मिक या वैचारिक नजरिये से देखना कॉर्पोरेट जवाबदेही और लैंगिक संवेदनशीलता वाले सुधारों की तत्काल आवश्यकता से ध्यान भटका सकता है। इस संवेदनशील विषय पर नजर रखने वाले तर्क देते हैं कि उत्पीड़न को संप्रदाय विशेष के अपराध के रूप में देखने के बजाय, इसे एक अधिकारी द्वारा अपने अधिकार के दुरुपयोग के रूप में देखा जाना चाहिए, जो किसी भी संस्थान में पारदर्शिता और प्रवर्तन की कमी वाले वातावरण में ही पनपता है। इस विचलित करने वाले प्रकरण में अधिकारियों की प्रतिक्रिया, जिसमें एक विशेष जांच दल का गठन भी शामिल है, स्वागत योग्य है। वहीं दूसरी ओर इस मामले में महिला आयोग द्वारा भी एक स्वतंत्र जांच की जा रही है, जो कि एक सराहनीय कदम कहा जा सकता है।

विश्व धरोहर दिवसः सभ्यता की अमूल्य धरोहरों को बचाने का संकल्प

सुनील कुमार महला

प्रत्येक वर्ष 18 अप्रैल को विश्व धरोहर दिवस मनाया जाता है। इसे विश्व विरासत दिवस, वर्ल्ड हेरिटेज डे तथा आधिकारिक रूप से अंतर्राष्ट्रीय स्मारक एवं स्थल दिवस (इंटरनेशनल डे फोर मोन्यूमेंट्स एंड साइट्स) कहा जाता है। यह दिवस मानवता की साझा सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से मनाया जाता है।वास्तव में, विश्व धरोहर स्थल (वर्ल्ड हेरिटेज साइट्स) वे स्थान हैं जिन्हें मानवता के लिए उनके असाधारण सार्वभौमिक महत्व के आधार पर मान्यता दी जाती है और भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित करने हेतु विश्व धरोहर सूची में शामिल किया जाता है। इन स्थलों का संरक्षण यूनेस्को विश्व धरोहर सम्मेलन, 1972 के अंतर्गत किया जाता है, जिसे यूनेस्को सदस्य देशों द्वारा स्वीकार किया गया एक महत्त्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय समझौता माना जाता है। बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि इस दिवस का मुख्य उद्देश्य विश्वभर के ऐतिहासिक स्मारकों, सांस्कृतिक स्थलों, पुरातात्विक अवशेषों, प्राकृतिक संपदाओं तथा मानव सभ्यता से जुड़ी अमूल्य विरासतों के संरक्षण के प्रति जनचेतना उत्पन्न करना है। वास्तव में धरोहर केवल पत्थरों से बनी इमारतें नहीं हैं, बल्कि वे हमारी संस्कृति, परंपरा, कला, ज्ञान, संघर्ष, इतिहास और सामूहिक पहचान की जीवंत प्रतीक हैं।

उल्लेखनीय है कि इस दिवस की शुरूआत वर्ष 1982 में इंटरनेशनल काउंसिल ऑन मॉन्यूमेंट्स एंड साइट्स द्वारा ट्यूनीशिया में आयोजित बैठक में हुई, जहाँ 18 अप्रैल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मनाने का प्रस्ताव रखा गया। इसके बाद वर्ष 1983 में यूनेस्को की 22वीं महासभा ने इसे औपचारिक मान्यता प्रदान की। तभी से प्रतिवर्ष 18 अप्रैल को यह दिवस विश्वभर में मनाया जाता है। विश्व धरोहर स्थल विशेष स्थान, भवन, दुर्ग, नगर, वन, पर्वत, झील, मरुस्थल या प्राकृतिक क्षेत्र हो सकते हैं, जिन्हें मानवता के लिए विशिष्ट महत्व का माना जाता है। किसी स्थल को विश्व विरासत सूची में शामिल करने से पूर्व यूनेस्को उसे कठोर मानकों पर परखता है। वर्तमान में 10 चयन मानदंड निर्धारित हैं, जिनमें से कम से कम एक को पूरा करना आवश्यक है। इनमें ऐतिहासिक महत्व, स्थापत्य कला, सांस्कृतिक प्रभाव, प्राकृतिक सौंदर्य, जैव विविधता तथा वैज्ञानिक महत्त्व जैसे पहलू सम्मिलित हैं।विश्व धरोहर मुख्यतः तीन प्रकार की होती है- पहली, सांस्कृतिक धरोहर, जिसमें स्मारक, मंदिर, मस्जिद, चर्च, किले, मूर्तियाँ, प्राचीन नगर, स्थापत्य कला, भाषा, संगीत, नृत्य और परंपराएँ शामिल हैं। दूसरी, प्राकृतिक धरोहर, जिसमें पर्वत, नदियाँ, समुद्र, वन, वन्यजीव, जैव विविधता और अद्वितीय प्राकृतिक परिदृश्य आते हैं तथा तीसरी, मिश्रित धरोहर, जिनमें सांस्कृतिक और प्राकृतिक दोनों विशेषताएँ विद्यमान होती हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि यूनेस्को केवल स्थायी संरचनाओं या प्राकृतिक स्थलों को ही नहीं, बल्कि अमूर्त सांस्कृतिक विरासत को भी मान्यता देता है। भारत की योग परंपरा और कुंभ मेला इसके प्रमुख उदाहरण हैं।

विश्व स्तर पर सबसे अधिक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों वाला देश इटली है, जिसके बाद चीन का स्थान आता है। भारत भी विश्व धरोहर स्थलों की दृष्टि से अग्रणी देशों में सम्मिलित है। यूनेस्को एक विशेष सूची वर्ल्ड हेरिटेज इन डेंजर भी संचालित करता है, जिसमें उन स्थलों को शामिल किया जाता है जो युद्ध, प्रदूषण, प्राकृतिक आपदा, अतिक्रमण, अत्यधिक पर्यटन, जलवायु परिवर्तन या उपेक्षा के कारण संकट में हों। यदि कोई स्थल संरक्षण मानकों का पालन न करे या उसका मूल स्वरूप गंभीर रूप से बदल जाए, तो उसे सूची से हटाया भी जा सकता है। उदाहरणस्वरूप ओमान का अरेबियन ओरिक्स अभयारण्य तथा जर्मनी की ड्रेसडेन एल्बे घाटी को सूची से हटाया जा चुका है। यहां यह उल्लेखनीय है कि अक्टूबर 2024 तक विश्वभर के 196 देशों में लगभग 1,223 विश्व धरोहर स्थल थे, जिनमें 952 सांस्कृतिक, 231 प्राकृतिक और 40 मिश्रित स्थल शामिल हैं। भारत जैसे प्राचीन और बहुसांस्कृतिक देश में इस दिवस का विशेष महत्व है। अप्रैल 2025 तक भारत में 43 विश्व धरोहर स्थल (34 सांस्कृतिक, 7 प्राकृतिक और 2 मिश्रित) तथा 62 स्थल संभावित सूची में सम्मिलित थे। भारत के प्रमुख धरोहर स्थलों में ताजमहल, आगरा किला, फतेहपुर सीकरी, अजंता-एलोरा गुफाएँ, एलीफेंटा गुफाएँ, खजुराहो समूह, सांची स्तूप, महाबोधि मंदिर, हम्पी, महाबलीपुरम, जंतर-मंतर, कुतुब मीनार, लाल किला, कोणार्क सूर्य मंदिर, नालंदा, भीमबेटका, सुंदरबन राष्ट्रीय उद्यान, काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान, पश्चिमी घाट तथा कंचनजंघा राष्ट्रीय उद्यान प्रमुख हैं। राजस्थान धरोहर संपदा की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध राज्य है। यहाँ जयपुर शहर, जंतर-मंतर जयपुर, आमेर किला, चित्तौड़गढ़ दुर्ग, कुंभलगढ़, रणथंभौर दुर्ग, जैसलमेर किला, गागरोन दुर्ग तथा केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान जैसे विश्व धरोहर स्थल स्थित हैं। वर्ष 2021 में भारत के रामप्पा मंदिर (तेलंगाना) तथा धोलावीरा (गुजरात) को विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया, जिससे भारत की संख्या में वृद्धि हुई।विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर प्रतिवर्ष एक विशेष थीम घोषित की जाती है।वर्ष 2025 की थीम थी-आपदाओं और संघर्षों से विरासत खतरे मेंः आइसीओएमओएस के 60 वर्षों के अनुभवों से तैयारी और सीख। तथा वर्ष 2026 की थीम है-संघर्षों और आपदाओं के संदर्भ में जीवित विरासत के लिए आपातकालीन प्रतिक्रिया। रखी गई है इसका आशय यह है कि युद्ध, संघर्ष और प्राकृतिक आपदाओं के समय केवल भवनों और स्मारकों की ही नहीं, बल्कि जीवित विरासतों-जैसे लोक परंपराएँ, सामाजिक ज्ञान, सांस्कृतिक पहचान और समुदाय आधारित परंपराएँ की भी त्वरित सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

वर्तमान समय में बढ़ता शहरीकरण, प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, अवैध निर्माण, युद्ध, प्राकृतिक आपदाएँ और लापरवाही अनेक धरोहरों के अस्तित्व पर संकट बनकर खड़े हैं। इसलिए इनका संरक्षण केवल सरकारों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। धरोहरों से हमारी जड़ें मजबूत होती हैं, राष्ट्रीय गौरव बढ़ता है और पर्यटन उद्योग को नई दिशा मिलती है। भारत सरकार ने भी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण हेतु अनेक महत्त्वपूर्ण पहलें की हैं। विदेशों में पहुँचे प्राचीन पुरावशेषों की वापसी के प्रयास तेज किए गए हैं, और वर्ष 1976 से अब तक लगभग 655 पुरावशेष भारत वापस लाए जा चुके हैं। इतना ही नहीं, वर्ष 2024 में रामचरितमानस, पंचतंत्र और सहृदयलोक-स्थान जैसी कृतियों को यूनेस्को की विश्व स्मृति समिति के एशिया-प्रशांत क्षेत्रीय रजिस्टर में शामिल किया गया, जिससे भारतीय ज्ञान परंपरा को वैश्विक सम्मान मिला। यह अच्छी बात है कि वर्ष 2017 में प्रारंभ हेरिटेज एडॉप्ट कार्यक्रम के माध्यम से सार्वजनिक एवं निजी संस्थाओं को सीएसआर फंडिंग के जरिए विरासत स्थलों के संरक्षण और विकास में भागीदारी का अवसर दिया गया। इतना ही नहीं, राष्ट्रीय स्मारक और पुरावशेष मिशन के अंतर्गत 12.3 लाख से अधिक पुरावशेषों तथा 11,400 विरासत स्थलों का डिजिटलीकरण किया जा चुका है। साथ ही डिजिटल स्पेस में भारतीय विरासत पहल के माध्यम से लोगों को आभासी रूप से विरासत स्थलों का अनुभव कराया जा रहा है।भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) द्वारा विकसित मस्ट सी पोर्टल पर लगभग 100 प्रमुख स्मारकों की जानकारी, चित्र और दृश्य उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे पर्यटकों और शोधकताओं को सुविधा मिलती है। जुलाई 2024 में भारत ने दिल्ली में यूनेस्को विश्व धरोहर समिति के 46वें सत्र की मेजबानी कर वैश्विक सांस्कृतिक नेतृत्व में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई।

निष्कर्षतः, विश्व धरोहर दिवस केवल कैलेंडर की एक तिथि नहीं, बल्कि मानवता की साझा विरासत को सुरक्षित रखने का वैश्विक संकल्प है। यदि हम अपनी धरोहरों की रक्षा नहीं करेंगे, तो आने वाली पीढ़ियाँ अपने इतिहास, संस्कृति और पहचान से वंचित हो जाएँगी। अतः विकास के साथ-साथ विरासतों के संरक्षण, संवर्द्धन और सम्मान के लिए हमें दृढ़ संकल्पित होकर कार्य करना चाहिए।

फैशन डिज़ाइनिंग

फैशन डिजाइनिंग में करियर की शुरूआत

कंचन मेहता (दिशा सिरसा)

आज के आधुनिक दौर में फैशन डिजाइनिंग एक तेजी से उभरता हुआ और आकर्षक करियर विकल्प बन चुका है। यह केवल कपड़े बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक रचनात्मक कला है जिसमें व्यक्ति अपनी कल्पनाशक्ति, सौंदर्यबोध और नवीन विचारों को परिधानों के माध्यम से व्यक्त करता है। बदलते समय के साथ फैशन इंडस्ट्री का विस्तार लगातार बढ़ रहा है, जिससे युवाओं के लिए इसमें करियर के अनेक अवसर उपलब्ध हो रहे हैं।

फैशन डिजाइनिंग में शुरूआत करने के लिए सबसे पहले अपनी रुचि और क्षमता को समझना आवश्यक है। यदि आपको रंगों, कपड़ों और नए-नए स्टाइल्स में रुचि है, तो यह क्षेत्र आपके लिए उपयुक्त हो सकता है। एक अच्छे फैशन डिजाइनर के लिए ड्रॉइंग और स्केचिंग की समझ होना बहुत जरूरी है, क्योंकि हर डिजाइन पहले कागज पर तैयार किया जाता है। इसके अलावा, फैशन ट्रेंड्स पर नजर रखना भी आवश्यक है, ताकि आपके डिजाइन समय के अनुरूप और आकर्षक बने रहें।

फैब्रिक की पहचान, रंगों का सही संयोजन और सिलाई की बेसिक जानकारी भी इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। एक सफल डिजाइनर वही होता है जो साधारण कपड़े को भी अपनी रचनात्मकता से खास बना सके। इसके लिए निरंतर अभ्यास और नए प्रयोग करना जरूरी होता है। साथ ही, कम्युनिकेशन स्किल्स भी महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि आपको अपने विचारों को ग्राहकों और टीम के सामने स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करना होता है।

शैक्षिक दृष्टि से, आज कई संस्थान फैशन डिजाइनिंग में डिप्लोमा, डिग्री और मास्टर कोर्स प्रदान करते हैं। 12वीं के बाद छात्र इस क्षेत्र में प्रवेश लेकर अपने करियर की शुरूआत कर सकते हैं। इसके अलावा, शॉर्ट-टर्म कोर्स और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म भी शुरूआती स्तर पर सीखने के लिए अच्छे विकल्प हैं।

फैशन डिजाइनिंग में प्रैक्टिकल अनुभव का विशेष महत्व है। केवल सैद्धांतिक ज्ञान पर्याप्त नहीं होता। छात्रों को इंटर्नशिप करनी चाहिए, फैशन शोज में भाग लेना चाहिए और छोटे-छोटे प्रोजेक्ट्स पर काम करना चाहिए। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और वे इंडस्ट्री की वास्तविकताओं को बेहतर तरीके से समझ पाते हैं। एक मजबूत पोर्टफोलियो बनाना भी जरूरी है, जिसमें आपके बेहतरीन डिजाइन शामिल हों।

करियर के दृष्टिकोण से, फैशन डिजाइनिंग में कई विकल्प उपलब्ध हैं। आप फैशन डिजाइनर, स्टाइलिस्ट, फैशन कंसल्टेंट या बुटीक ओनर बन सकते हैं। इसके अलावा, आप अपना खुद का ब्रांड शुरू करके भी सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया के माध्यम से अपने डिजाइन्स को प्रमोट करना भी आसान हो गया है।

अंततः, फैशन डिजाइनिंग एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें सफलता पाने के लिए मेहनत, धैर्य और निरंतर सीखने की इच्छा आवश्यक है। यदि आप अपने काम के प्रति समर्पित हैं और अपनी रचनात्मकता को निखारते रहते हैं, तो आप इस क्षेत्र में एक सफल और प्रसिद्ध डिजाइनर बन सकते हैं।

निकिता गांधी ने 'तू ही दिसदा' को बताया जेन-जी के लिए खास तोहफा

अक्षय कुमार की आगामी हॉरर कॉमेडी फिल्म 'भूत बंगला' का का नया रोमांटिक गाना 'तू ही दिसदा' हाल ही में रिलीज हुआ, जिसने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। यह गाना अरिजीत सिंह और निकिता गांधी की शानदार आवाज में हैं। इसका संगीत प्रीतम ने दिया, जबकि बोल कुमार द्वारा लिखे गए हैं। गायिका निकिता गांधी ने हाल ही में बातचीत की।

इस दौरान उन्होंने गाने को जेन जी जेनरेशन को समर्पित बताया। निकिता का मानना है कि यह गाना आज की युवा पीढ़ी, यानी कि जेन जी के लिए बेहतरीन उदाहरण है। यह गाना सुनकर लगता है जैसे कोई सपना हो, जो दिल में बस जाता है। उन्होंने कहा, 'इस गाने का हिस्सा बनकर मैं बेहद खुश हूं। यह एक बहुत ही प्यारा गाना है, जिसके जरिए एक बार फिर मैं, अरिजीत और प्रीतम दादा एक बार फिर साथ में आए। हालांकि, हमने पहले भी कई बेहतरीन गाने दिए हैं और यह भी उनमें से एक है।' गायिका ने आगे गाने की धुन की जमकर तारीफ की। उन्होंने बताया कि इस गाने की धुन भारतीय है और इसमें देसी टच, पियानो ट्रैक भी है, जो भारतीय रोमांटिक गाने के साथ खूबसूरती से मेल खाता है। आज की युवा पीढ़ी के लिए यह गाना परफेक्ट है। गायिका ने आगे रीमिक्स और ओरिजिनल गानों पर भी अपने विचार शेयर किए।

उन्होंने कहा कि दोनों अपनी जगह अच्छे हैं। हर चीज के अच्छे और बुरे पहलू होते हैं। रीमिक्स इसलिए ज्यादा पसंद किए जाते हैं क्योंकि लोग उन गानों से पहले से परिचित होते हैं। निकिता ने कहा, 'जब मैं स्टेज पर पुराना गाना जैसे 'रात बाकी, बात बाकी' का रीमेक गाती हूं, तो कॉलेज गिग या टीचर्स के सामने हर कोई उसे पहचान लेता है।

डेढ़-दो साल से नहीं पी शराब

'एनिमल' की सफलता के बाद से बॉबी देओल लगातार बॉलीवुड से लेकर साउथ तक की फिल्मों में सक्रिय हैं। वो कई बड़ी फिल्मों का हिस्सा रहे हैं। वहीं आने वाले वक्त में भी उनकी पाइपलाइन में कई बड़ी फिल्में हैं। हालांकि, बीच में जब बॉबी का मुश्किल वक्त था, तब वो शराब के आदी हो गए थे। जिसके चलते उनके रिश्तों और संबंधों पर भी इसका असर दिखने लगा था। लेकिन जल्द ही बॉबी को अपनी इस गलती का एहसास हो गया और उन्होंने इस आदत को छोड़ दिया। हाल ही में बॉबी ने अपने उस वक्त को याद किया और एक अभिनेता के लिए उसका चेहरा और शरीर कितना जरूरी होता है, इसको लेकर बात की। एस्क्वायर इंडिया के साथ बातचीत के दौरान बॉबी ने कहा कि एक अभिनेता के लिए आपका शरीर और आपका चेहरा ही वो चीजें हैं जिन्हें आप बेचते हैं। मैं इसके साथ खिलवाड़ नहीं कर सकता। जैसे-जैसे मेरी उम्र बढ़ रही है, मैं कुछ साल पहले की तुलना में जल्दी थक जाता हूं। मुझे अपना ज्यादा ख्याल रखना होगा। मैं अब पिछले डेढ़ साल से शराब नहीं पी रहा हूं। शराब छोड़ने से मेरे आसपास का माहौल भी बदल गया है। इस दौरान मुझे इसकी कमी भी महसूस नहीं होती। बल्कि, मैं सोचता रहता हूं कि अरे, ये इतना आसान था? दो जन्मदिन और दो नए साल बीत गए हैं और मुझे शराब पीने की इच्छा नहीं हुई। इसने मुझे हैरान कर दिया।

पिता धर्मेंद्र को भी थी शराब की लत

बॉबी ने अपने पिता धर्मेंद्र की शराब की लत के बारे में बताते हुए कहा कि मैंने देखा है कि यह क्या कर सकती है। शराब छोड़ने से मुझे किसी भी समय, किसी भी परिस्थिति में शारीरिक और भावनात्मक रूप से मौजूद रहने में मदद मिली है। इससे मेरे परिवार के साथ मेरा रिश्ता सबसे ज्यादा मजबूत हुआ है।

'सैयारा' की रोमांटिक इमेज छोड़

अब रफ लुक में दिखेंगे अहान पांडे

फिल्म 'सैयारा' की सफलता के बाद अहान पांडे एक बार फिर चर्चा में हैं. अपनी पहली फिल्म में रोमांटिक इमेज बनाने वाले अहान अब डायरेक्टर अली अब्बास जफर की अगली फिल्म में एक अलग लुक में नजर आएंगे. बॉलीवुड एक्टर अहान पांडे इन दिनों अपनी अगली फिल्म को लेकर हर तरफ छाए हुए हैं. फिल्म 'सैयारा' में अपनी मासूमियत और रोमांटिक अंदाज से सबका दिल जीतने के बाद, अहान अब बॉलीवुड के दिग्गज डायरेक्टर अली अब्बास जफर की अगली फिल्म में एक दमदार और अनोखे किरदार में नजर आने वाले हैं. इस फिल्म के जरिए अहान अपनी रोमांटिक बॉय वाली इमेज को पूरी तरह बदलने जा रहे हैं, जिसे लेकर फैंस के बीच अभी से काफी एक्साइटमेंट बनी हुई है.

गैंगस्टर के रोल में आएंगे नजर

वैरायटी इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, अहान पांडे इस नई फिल्म में एक गैंगस्टर का किरदार निभा रहे हैं. इस रोल के लिए खुद पर खास काम करना शुरू कर दिया है. फिल्म की शूटिंग 3 अप्रैल से मुंबई में शुरू हो चुकी है. मुंबई का शेड्यूल पूरा करने के बाद फिल्म की पूरी टीम आगे की शूटिंग के लिए लंदन रवाना होगी. मेकर्स का लक्ष्य है कि साल 2027 की शुरुआत तक इस फिल्म को पूरा कर लिया जाए.

तमन्ना भाटिया से ब्रेकअप के बाद

सोशल मीडिया ट्रोलिंग पर भड़के विजय वर्मा

विजय वर्मा इन दिनों अपनी आगामी सीरीज 'मटका किंग' की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। एक्टर सीरीज के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इसी दौरान विजय वर्मा ने तमन्ना भाटिया से ब्रेकअप के बाद सोशल मीडिया पर होने वाली ट्रोलिंग और ऑनलाइन मिलने वाली अनावश्यक नफरत के बारे में खुलकर बात की। एक्टर ने बताया कि इसीलिए उन्होंने सोशल मीडिया से दूरी बनाने का फैसला भी किया, जिससे उन्हें अपने रिश्तों को मजबूत बनाने में काफी फायदा मिला।

सोशल मीडिया ट्रोलिंग से परेशान हुए विजय

तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा एक समय बी-टाउन के सबसे चर्चित कपल बन गए थे। हालांकि, दोनों का रिलेशनशिप ज्यादा लंबा नहीं चल सका और दोनों शांतिपूर्वक एक-दूसरे से अलग हो गए। लेकिन सोशल मीडिया पर दोनों के ब्रेकअप को लेकर काफी चर्चाएं हुईं और दोनों के फैंस ने एक-दूसरे को ट्रोल किया।

'यूपी वाली, बिहार वाली' का फर्स्ट लुक जारी

रानी और संजना का दिखेगा अलग अंदाज

भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री रानी चटर्जी और संजना पांडेय जल्द ही आगामी फिल्म 'यूपी वाली, बिहार वाली' में नजर आएंगी। मंगलवार को फिल्म का फर्स्ट लुक मेकर्स ने जारी कर दिया। मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर फर्स्ट लुक पोस्ट किया। इसमें रानी संजना की ओर इशारा करती नजर आ रही हैं। दोनों अभिनेत्रियां साड़ी में बेहद आकर्षक लग रही हैं। संजना पांडेय ने सिर पर पल्लू ओढ़ रखा है, जबकि रानी चटर्जी बिना पल्लू के साड़ी में हैं, जो उनका स्टाइलिश अंदाज दिखाता है। पोस्टर के साथ मेकर्स ने लिखा, 'भोजपुरी फिल्म 'यूपी वाली, बिहार वाली' का फर्स्ट लुक।

मंजुल ठाकुर द्वारा निर्देशित फिल्म स्टारकास्ट बड़ी दिलचस्प है। इसमें रानी और संजना के अलावा, प्रशांत सिंह, आलोक सिंह राजपूत, ललित उपाध्याय, विद्या सिंह, स्वेता वर्मा और गोपाल चौहान जैसे स्टार्स नजर आएंगे। फिल्म की कहानी अरविंद तिवारी ने लिखी है। फिल्म में दोनों अभिनेत्रियों के बीच हंसी-मजाक और नोकझोंक देखने को मिलेगी। इससे पहले रानी चटर्जी ने शूटिंग के दौरान मुहूर्त की तस्वीरें और वीडियो भी सोशल मीडिया पर शेयर किए थे। उस समय सेट पर दोनों अभिनेत्रियों के बीच मजेदार पल भी देखने को मिले थे। अब फर्स्ट लुक पोस्टर जारी होने के बाद फैंस फिल्म की रिलीज डेट का इंतजार कर रहे हैं। भोजपुरी सिनेमा में रानी चटर्जी काफी लोकप्रिय हैं। वे अपनी डांसिंग स्किल्स और बोल्ड रोल्स के लिए जानी जाती हैं। संजना पांडेय भी भोजपुरी फिल्मों में अच्छी पहचान बना चुकी हैं। दोनों अभिनेत्रियों की यह जोड़ी पहली बार साथ नजर आएगी, जिससे फैंस में काफी उत्साह है।

स्पेसएक्स का रिकॉर्ड आईपीओ, मस्क अंतरिक्ष के बाद अब शेयर बाजार में रचेंगे इतिहास?

- 2 ट्रिलियन डॉलर के लक्ष्य के साथ नेस्डेक में गोपनीय दस्तावेज दाखिल, कंपनी के लिए नियमों में भी मिली ढील

वाशिंगटन।

एलन मस्क की एयरोस्पेस कंपनी स्पेसएक्स ने अमेरिकी शेयर बाजार नेस्डेक में लिस्टिंग की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। कंपनी ने अपने बहुप्रतीक्षित आईपीओ के लिए गोपनीय दस्तावेज दाखिल कर दिए हैं, जिसका लक्ष्य लगभग 2 ट्रिलियन डॉलर के अभूतपूर्व मूल्यांकन के साथ बाजार में उतरना है। यदि यह सौदा सफल रहा, तो यह इतिहास का सबसे बड़ा प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) बन सकता है। स्पेसएक्स अपनी कुल हिस्सेदारी का एक छोटा सा भाग बेचकर लगभग 75 अरब डॉलर जुटाने की योजना बना रही है। 2002 में स्थापित, इस कंपनी का मूल उद्देश्य मानवता को बहुग्रह बनाना है। उसने रॉकेट के दोबारा उपयोग की तकनीक विकसित कर अंतरिक्ष प्रक्षेपण की लागत को नाटकीय रूप से 5 फीसदी तक कम कर दिया है, जिससे 600 से अधिक सफल रॉकेट लैंडिंग हुई हैं। कंपनी की आय का बड़ा हिस्सा उसके सैटेलाइट इंटरनेट सेवा स्टारलिंक से आता है, जिसके दुनिया भर में एक करोड़ से अधिक ग्राहक हैं। विस्तार और रणनीतिक विलय- फरवरी 2026 में ग्रोक का डेवलपर के साथ हुए 1.25 ट्रिलियन डॉलर के विलय ने इस आईपीओ की नींव तैयार की है। मस्क के मुताबिक आईपीओ से जुटाई गई रकम का उपयोग अंतरिक्ष में बड़े पैमाने पर सौर ऊर्जा संचालित डेटा सेंटर सैटेलाइट स्थापित करने के लिए किया जाएगा, ताकि पृथ्वी की ऊर्जा सीमाओं को पार किया जा सके। नेस्डेक के नियमों में बदलाव- स्पेसएक्स की संभावित लिस्टिंग को देखते हुए, नेस्डेक ने अपने कुछ नियमों में ढील दी है। इसमें आमतौर पर आवश्यक 10 फीसदी सार्वजनिक हिस्सेदारी की शर्त और इंडेक्स में शामिल होने की समय-सीमा को तीन महीने से घटाकर 15 ट्रेडिंग दिन करना शामिल है। इससे स्पेसएक्स तेजी से नेस्डेक 100 जैसे प्रमुख इंडेक्स का हिस्सा बन सकेगी, जिससे इंडेक्स फंड्स से स्वतः निवेश आकर्षित होगा। चुनौतियां और विशेषज्ञ सलाह- हालांकि, कंपनी की ऊंची वैल्यूएशन (पिछले साल का राजस्व करीब 15 अरब डॉलर बनाम 2 ट्रिलियन डॉलर का लक्ष्य) को लेकर सवाल उठ रहे हैं, जो टेस्ला जैसी महंगी कंपनियों के मुकाबले भी कई गुना अधिक है। स्पेसएक्स अपने 30 फीसदी शेयर खुदरा निवेशकों को उपलब्ध कराने की योजना बना रही है, जिससे भारी उत्साह की उम्मीद है। विशेषज्ञों ने नियमों में ढील और इतनी ऊंची वैल्यूएशन के कारण निवेशकों को सावधानी बरतने की सलाह दी है, क्योंकि इससे बाजार में अस्थिरता और जोखिम बढ़ सकता है।

विप्रो के शेयर धड़ाम, चौथी तिमाही के नतीजे उम्मीद से कमजोर

नई दिल्ली ।

सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी विप्रो के शेयरों में शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में लगभग चार प्रतिशत की तेज गिरावट दर्ज की गई। यह गिरावट कंपनी द्वारा अपनी जनवरी-मार्च तिमाही के नतीजे घोषित किए जाने के बाद आई। कंपनी का मुनाफा बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में घटकर 3,501.8 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 3,569.6 करोड़ रुपये था। चुनौतीपूर्ण व्यापक आर्थिक परिस्थितियों को लाभ में इस कमी की मुख्य वजह बताया गया। नतीजों की घोषणा के बाद बीएसई पर विप्रो का शेयर 3.61 प्रतिशत गिरकर 202.60 रुपये पर, जबकि एनएसई पर 3.69 प्रतिशत की गिरावट के साथ 202.50 रुपये पर कारोबार कर रहा था।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 505, निफ्टी 156 अंक उछला

मुम्बई । घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये बढ़त दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आई है। अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध जल्द समाप्त होने की उम्मीदों से भी निवेशकों में उत्साह है जिससे भी बाजार उछला है। आज कारोबार के दौरान इसी कारण सेंसेक्स और निफ्टी में 0.65 फीसदी की बढ़त रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 504.86 अंकों के उछाल के साथ ही 78,493.54 स्तर पर जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 156.80 अंक बढ़कर 24,353.55 पर बंद हुआ। आज एक समय सेंसेक्स 78,553.45 वही निफ्टी 24,371.90 तक पहुंच गया। वहीं निफ्टी मिडकैप 100 में 1.27 फीसदी जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 1.48 फीसदी की बढ़त रही। दूसरी ओर निफ्टी आईटी जिसमें 0.02 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। सभी इंडेक्स हरे निशान में कारोबार करते हुए नजर आए। सबसे ज्यादा निफ्टी एफएमसीजी में 2.65 फीसदी, निफ्टी मीडिया में 1.34 फीसदी, निफ्टी मेटल में 1.10 फीसदी, निफ्टी रियल्टी में 0.94 फीसदी की बढ़त रही। इसके अतिरिक्त निफ्टी प्राइवेट बैंक में 0.78फीसदी, निफ्टी पीएसयू बैंक में 0.74 फीसदी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में 0.61 फीसदी की तेजी रही।निफ्टी में जेएसडब्ल्यू स्टील, नेस्ले इंडिया, अपोलो हॉस्पिटल्स एंटरप्राइज, पावर ग्रिड, मैक्स हेल्थ के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त दर्ज की गई जबकि एचडीएफसी लाइफ, सनफार्मा, बजाज-ऑटो, एमएंडएम, एचसीएल टेक, एलएंडटी के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिली। इससे पहले आज सुबह बाजार में गिरावट के साथ शुरुआत हुई पर जल्द ही रिकवरी के साथ बाजार लाभ में आ गया। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 78,000 के स्तर के पास 74.05 अंक की मामूली बढ़त के साथ 78,062.73 पर, और निफ्टी 4.50 अंक बढ़कर 24,201.25 के स्तर पर खुला।

नेटफ्लिक्स को-फाउंडर रीड हेस्टिंग्स निदेशक मंडल से हटेंगे

न्यूयॉर्क।

ओटीटी दिग्गज नेटफ्लिक्स के सह-संस्थापक और वर्तमान चेयरमैन रीड हेस्टिंग्स इस साल जून में अपना कार्यकाल समाप्त होने के बाद कंपनी के निदेशक मंडल से हट जाएंगे। कंपनी ने इस अहम बदलाव की जानकारी देते हुए बताया कि हेस्टिंग्स अब परोपकारी कार्यों और अन्य गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करेंगे। उन्होंने 1990 के दशक के अंत से 2023 तक दो दशकों से अधिक समय तक कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के रूप में कार्य किया। हेस्टिंग्स ने अपने कार्यकाल में हमेशा ग्राहकों की खुशी, बेहतर कार्य संस्कृति और दीर्घकालिक सफलता पर जोर दिया। यह महत्वपूर्ण घोषणा कंपनी के नवीनतम तिमाही परिणामों के साथ की गई।

बुल स्प्रेड रणनीति सिर्फ 3700 लगाकर 6300 रुपए कमाने का मौका!

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार में इस समय कुछ स्टॉक्स अचानक सुर्खियों में आए हैं, जहां तेजी का रुझान देखा जा रहा है। ऐसे में निवेशक सीमित जोखिम के साथ अधिकतम मुनाफा कमाने के तरीकों की तलाश में हैं। इसी कड़ी में एक बाजार` विशेषज्ञ ने जेएसडब्ल्यू एनर्जी और आईईएक्स पर बुल स्प्रेड ऑप्शन रणनीति अपनाने की सलाह दी है। बाजार` विशेषज्ञ का मानना है कि इन दोनों स्टॉक्स में वर्तमान में तेजी का माहौल बन रहा है। बुल स्प्रेड एक ऐसी ऑप्शन ट्रेडिंग रणनीति है जिसमें नुकसान की सीमा तय होती है और मुनाफे का अनुमान पहले से लगाया जा सकता है। जेएसडब्ल्यू एनर्जी के लिए, 28 अप्रैल एक्सपायरी का 540 कॉल ऑप्शन 11.75 रुपये में खरीदने और साथ ही 550 कॉल ऑप्शन 8.05 रुपये में बेचने का सुझाव दिया गया है। इस रणनीति में यदि शेयर 550 रुपये या उससे ऊपर बंद होता है, तो लगभग 6300 रुपये तक का मुनाफा हो सकता है। स्टॉक में शॉर्ट कवरिंग और तकनीकी रूप से मजबूत स्थिति के कारण तेजी की संभावना है। इसी तरह आईईएक्स के लिए भी बुल स्प्रेड रणनीति सुझाई गई है, जिसमें 136 कॉल ऑप्शन 2.90 रुपये में खरीदने और 140 कॉल ऑप्शन 1.40 रुपये में बेचने की सलाह दी गई है। अगर आईईएक्स 140 रुपये या उससे ऊपर बंद होता है, तो लगभग 9375 रुपये का मुनाफा संभव है। आईईएक्स में भी हालिया शॉर्ट कवरिंग और 3 महीने के उच्च स्तर पर बंद होने से मजबूत ब्रेकआउट के संकेत मिल रहे हैं। यह रणनीति उन निवेशकों के लिए आदर्श है जो बाजार में नियंत्रित जोखिम के साथ अवसर तलाश रहे हैं।

सॉफ्टेल ने पेश की आधुनिक तकनीक वाली कॉम्पैक्ट घरघंटी

पारंपरिक पत्थर की पिसाई से मिलेगा शुद्ध स्वाद और पोषण, रसोई की रौनक़ बढ़ाएगा नया उत्पाद

अहमदाबाद ।

रसोई में ताज़ा पिसे आटे और मसालों की शुद्धता को पुनर्जीवित करने के लिए घरेलू उपकरणों के प्रतिष्ठित ब्रांड सॉफ्टेल ने अपनी नई कॉम्पैक्ट घरघंटी बाज़ार में उतारी है। 35 वर्षों के अनुभव के साथ सॉफ्टेल अब आधुनिक घरों के लिए ऐसी तकनीक लाया है, जो पारंपरिक पिसाई की गुणवत्ता को आधुनिक सुविधा के साथ जोड़ती है।

यह घरघंटी आकार में इतनी छोटी है कि रसोई के प्लेटफॉर्म पर आसानी से फिट हो जाती है, लेकिन कार्यक्षमता के मामले में बेहद शक्तिशाली है।

इसकी मुख्य विशेषता पत्थर-आधारित पिसाई प्रक्रिया है, जो अनाज और मसालों के प्राकृतिक स्वाद, बनावट और पोषण को बरकरार रखती है। यह मशीन प्रति घंटे 7.5 से 10 किलोग्राम अनाज पीसने की क्षमता रखती है और बिजली की खपत भी मात्र एक यूनिट प्रति घंटा है।

उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए कंपनी ने फुली ऑटोमैटिक, सेमी ऑटोमैटिक और मैनुअल जैसे तीन मॉडल पेश किए हैं। सॉफ्टेल के मैनेजिंग डायरेक्टर अनिल कुमार जैन ने बताया कि ताज़ा भोजन अच्छे स्वास्थ्य का आधार है

और यह घरघंटी शुद्धता व विश्वास को वापस लाने का एक सरल जरिया है।

इस लॉन्च के साथ सॉफ्टेल ने ताज़ा और ईमानदार भोजन को

रोज़मर्रा की आदत बनाने की दिशा में अहम कदम बढ़ाया है।

एशिया के सबसे अमीर बने गौतम अडानी, मुकेश अंबानी को पछाड़ रचा इतिहास

अडानी की नेटवर्थ 92.6 अरब डॉलर, मुकेश अंबानी 90.8 अरब डॉलर पर खिसके

मुंबई । एशिया के सबसे धनी व्यक्तियों की सूची में एक बड़ा उलटफेर हुआ है। अडानी ग्रुप के प्रमुख गौतम अडानी ने रिलायंस इंडस्ट्रीज के मुकेश अंबानी को पछाड़ते हुए अब एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति का खिताब हासिल कर लिया है। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के आंकड़ों के अनुसार गौतम अडानी की कुल संपत्ति 92.6 अरब डॉलर पहुंच गई है, जिससे वह दुनिया के 19वें सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। वहीं मुकेश अंबानी की नेटवर्थ 90.8 अरब डालर रह गई है, और वे वैश्विक सूची में 20वें स्थान पर खिसक गए हैं। इस साल अडानी की संपत्ति में 8.10 अरब डालर की वृद्धि हुई, जबकि अंबानी की संपत्ति में 16.9 अरब डालर की बड़ी गिरावट दर्ज की गई। लिस्ट में 656 अरब डॉलर के साथ एलन मस्क पहले नंबर पर बने हुए हैं। गूगल के को-फाउंडर लैरी पेज 286 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दूसरे नंबर पर हैं। अमेजन के जेफ बेजोस (269 अरब डॉलर), सर्गेई ब्रिन (266 अरब डॉलर), मार्क जुकरबर्ग (239 अरब डॉलर), लैरी एलिसन (230 अरब), माइकल डेल (170 अरब), जेंसन हुआंग (164 अरब), बर्नार्ड आरनॉल्ट (164 अरब) और जिम वॉल्टन (150 अरब डालर) भी टॉप 10 में शामिल हैं।

रूसी-ईरानी तेल पर अमेरिकी छूट खत्म, भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर असर

- भारत की ऊर्जा आपूर्ति रणनीतियों में खड़ी हो सकती हैं नई चुनौतियां

नई दिल्ली ।

अमेरिका ने रूस और ईरान से कच्चे तेल तथा पेट्रोलियम उत्पादों की खरीद पर दी गई एक महीने की विशेष छूट को आगे नहीं बढ़ाने का फैसला किया है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसंट ने यह जानकारी देते हुए बताया कि यह छूट, जो भारत के लिए पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण बढ़ी आपूर्ति की कमी को पूरा करने में सहायक थी, अब समाप्त हो गई है। इस निर्णय से भारत की ऊर्जा आपूर्ति रणनीतियों में नई चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसंट ने स्पष्ट किया कि रूसी और ईरानी तेल के लिए सामान्य लाइसेंस का नवीनीकरण नहीं किया जाएगा, क्योंकि 11 मार्च से पहले समुद्र में मौजूद सारा तेल अब इस्तेमाल हो चुका है। रूसी तेल पर यह छूट 11 अप्रैल को समाप्त हुई, जबकि ईरानी तेल पर इसी तरह की छूट 19 अप्रैल को खत्म हो रही है। इस अवधि के दौरान, पश्चिम एशिया में तनाव के चलते आपूर्ति में आई कमी को पूरा करने के लिए भारत ने रूस से कच्चे तेल की खरीद में उल्लेखनीय वृद्धि की थी। आंकड़ों के अनुसार, मार्च में भारत का रूसी कच्चे तेल का आयात बढ़कर नौ महीने के उच्चतम स्तर 20.6 लाख बैरल प्रतिदिन पर पहुंच गया था, जो फरवरी में 10.6 लाख बैरल प्रतिदिन था। हालांकि, अमेरिकी छूट खत्म होने के बावजूद, भारतीय रिफाइनरियों ने संकेत दिया है कि वे उन रूसी आपूर्तिकर्ताओं और जहाजों से कच्चे तेल की खरीद जारी रखेंगी जिन पर कोई अमेरिकी प्रतिबंध नहीं है। गौरतलब है कि भारत ने 2019 से अमेरिकी प्रतिबंधों का उल्लंघन करने से बचने के लिए ईरान से ऊर्जा उत्पादों की खरीद रोक दी थी, जबकि प्रतिबंध से पहले ईरानी तेल भारत के कुल कच्चे तेल आयात का 11.5 फीसदी था। रूसी कच्चे तेल पर पहले मिलने वाली 8-10 डॉलर प्रति बैरल की छूट भी पश्चिम एशिया संकट के बाद कम हो गई है, और अब भारतीय रिफाइनरियों को कम से कम 6-7 डॉलर प्रति बैरल अधिक कीमत चुकानी पड़ रही है, जिससे उनके मार्जिन पर दबाव बढ़ सकता है।

एंथ्रोपिक के एआई मॉडल से फिनटेक पर साइबर खतरा

नई दिल्ली ।

भारत के वित्तीय सेवा क्षेत्र में एंथ्रोपिक के उन्नत एआई मॉडल क्लॉड मिथोस से जुड़े शुरुआती साइबर सुरक्षा खतरों को महसूस किया जा रहा है। फिनटेक स्व-नियामकीय संगठन फिनटेक एसोसिएशन फॉर कंज्यूमर एम्पावरमेंट (फेस) ने सबसे पहले इस पर कार्रवाई करते हुए अपने सदस्यों से आवश्यक रक्षात्मक उपाय मजबूत करने का आग्रह किया है। यह कदम ऐसे समय में आया है जब क्लॉड मिथोस प्रीव्यू ने सॉफ्टवेयर कमजोरियों, विशेषकर जीरो-डे वल्नरबिलिटी (जिनके बारे में डेवलपर्स को पहले से जानकारी नहीं होती) की पहचान करने और उनका फायदा उठाने की उल्लेखनीय क्षमता का प्रदर्शन किया है। फेस के सीईओ सुगंध सक्सेना ने सदस्यों को ईमेल भेजकर साइबर सुरक्षा मजबूत करने, संभावित कमजोरियों को दूर करने और खतरों की तत्काल सूचना देने की सिफारिश की है।

यह चिंताजनक है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसी नई तकनीकों की यह क्षमता गलत हाथों में पड़ सकती है, जिससे भारत और दुनिया भर में सॉफ्टवेयर प्रणालियों की स्थिरता

पर गंभीर सवाल उठते हैं। इन चिंताओं के जवाब में, एंथ्रोपिक ने प्रोजेक्ट ग्लास विंग की घोषणा की है, जिसमें एमेजॉन, ऐपल, गूगल और माइक्रोसॉफ्ट सहित एक दर्जन प्रमुख कंपनियां रक्षात्मक सुरक्षा कार्यों के लिए मिथोस का उपयोग करेंगी।

तेल-गैस सेक्टर में उछाल, ओएनजीसी और ऑयल इंडिया को रिकॉर्ड मुनाफा!

- कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और उत्पादन वृद्धि से बढ़ सकता है इन कंपनियों का एबिट्डा

मुंबई।

भारत के तेल और गैस सेक्टर में काम करने वाली अपस्ट्रीम कंपनियों, खासकर ओएनजीसी और ऑयल इंडिया के लिए आने वाला समय बेहद मजबूत दिख रहा है। एंटीक स्टॉक ब्रोकरेज की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2027 में इन कंपनियों को कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और उत्पादन में अनुमानित वृद्धि के कारण रिकॉर्ड फायदा मिल सकता है। रिपोर्ट ने ब्रेंट क्रूड के` वित्त वर्ष 27 के औसत अनुमान को बढ़ाकर 75 डॉलर प्रति बैरल कर दिया है, जो पहले 65 डॉलर था। रिपोर्ट बताती है कि वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें कई कारणों से मजबूत बनी हुई हैं। हालिया सप्लाई झटकों, विशेषकर होर्मुज क्षेत्र में बाधा के कारण बाजार में कच्चे तेल की कमी हुई है। मार्च और अप्रैल के दौरान करीब 500 मिलियन बैरल की आपूर्ति प्रभावित हुई, जिससे कीमतों में उछाल आया। लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन की दिक्कतों के चलते अगले 4 से 6 महीने तक कच्चा तेल 80 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बना रह सकता है, भले ही सप्लाई सामान्य होने लगे। इन अनुकूल परिस्थितियों का सीधा लाभ ओएनजीसी और ऑयल इंडिया को मिलेगा। इन कंपनियों को एक तरफ कच्चे तेल की ऊंची कीमतें मिलेंगी, वहीं दूसरी तरफ उनके उत्पादन में भी बढ़ोतरी का अनुमान है। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2025 से 2028 के बीच ओएनजीसी के उत्पादन में सालाना 2.5 प्रतिशत और ऑयल इंडिया के उत्पादन में 7.1 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। इस दोतरफा फायदे के परिणामस्वरूप, वित्त वर्ष 2027 में इन कंपनियों की कमाई में बड़ा उछाल आने की संभावना है। ओएनजीसी का एबिट्डा करीब 26 प्रतिशत और ऑयल इंडिया का एबिट्डा 27 प्रतिशत तक बढ़ने का अनुमान है, जो इनकी वित्तीय स्थिति को और मजबूत करेगा।

क्या कम एसआईपी रिटर्न से परेशान हैं? रुकने की बजाय अपनाएं ये रणनीति

- पोर्टफोलियो में कम या निगेटिव रिटर्न देख एसआईपी रोकने की गलती न करें, समझें विशेषज्ञ की राय

नई दिल्ली ।

अगर पिछले 2-3 सालों में आपके एसआईपी पोर्टफोलियो में अपेक्षित रिटर्न नहीं मिला है या एक्सआईआरआर नकारात्मक हो गया है, तो परेशान होना स्वाभाविक है। कई निवेशक ऐसे में अपनी एसआईपी बंद करने या फंड बदलने का विचार करते हैं। हालांकि, वित्तीय विशेषज्ञ ऐसी स्थिति में घबराने की बजाय धैर्य रखने और कुछ रणनीतियों का पालन करने की सलाह देते हैं। उनका स्पष्ट मानना है कि सिर्फ 3 साल के प्रदर्शन के आधार पर एसआईपी का मूल्यांकन करना सही नहीं है। तीन साल का समय इक्विटी निवेश के लिए काफी नहीं म्युचुअल फंड एक्सपर्ट एके निगम स्पष्ट करते हैं कि इक्विटी एसआईपी के प्रदर्शन को तीन साल में आंकना जल्दबाजी है। उनके अनुसार, इक्विटी निवेश को 5 से 7 साल का समय देना चाहिए, ताकि वह बाजार के विभिन्न चरणों (तेजी, गिरावट, रिकवरी) से गुजर सके। निगम इसे टेस्ट मैच के पहले दिन ही नतीजा निकालने जैसा बताते हैं, जो कि अक्सर गलत साबित होता है। खासकर मिड और स्मॉल कैप फंड्स में तो और भी धैर्य की जरूरत होती है, क्योंकि उनमें बाजार का चक्र लंबा होता है। बाजार` विशेषज्ञों की राय है कि गिरते या कमजोर बाजार में एसआईपी रोकना एक बड़ी गलती हो सकती है। वह बताते हैं कि एसआईपी का मूल सिद्धांत ही बाजार की अस्थिरता को निवेशक के पक्ष में मोड़ना है। जब बाजार गिरता है, तो आपकी तय निवेश राशि से आपको अधिक यूनिट्स मिलती हैं। बाद में जब बाजार वापसी करता है, तो ये अतिरिक्त यूनिट्स आपके कुल रिटर्न को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ा देती हैं। यह सिर्फ किताबी बात नहीं, एक आजमाई हुई रणनीति है, यह केवल किताबी बात नहीं, बल्कि एक आजमाई हुई रणनीति है। लगातार निवेश जारी रखने से औसत लागत बेहतर होती है। गिरावट के दौरान एसआईपी जारी रखने से निवेशक सस्ते दामों पर अधिक यूनिट्स खरीदते हैं, जिससे लंबी अवधि में उन्हें बेहतर औसत लागत का फायदा मिलता है। इस प्रकार, बाजार की गिरावट एसआईपी निवेशक के लिए अक्सर भविष्य की मजबूत कमाई की नींव तैयार करती है, बशर्ते वह धैर्य रखे और निवेश जारी रखे।

पश्चिम एशिया संकट की मार, महंगी हो सकती हैं जीवनरक्षक औषधियां

- इनपुट लागत में तेजी से बढ़ोत्तरी और मार्जिन पर दबाव के कारण उत्पादन प्रभावित

नई दिल्ली । पश्चिम एशिया में गहराते संकट का असर अब सीधा मरीजों की जेब पर पड़ने वाला है। पेट्रोल-एलपीजी की बढ़ती कीमतों से पहले ही जूझ रहे आम आदमी को अब जीवनरक्षक दवाओं के लिए भी अधिक कीमत चुकानी पड़ सकती है। सरकार ने कैंसर की दवाओं, एंटीबायोटिक्स और इंजेक्शन सहित कई जरूरी औषधियों की कीमतों में लगभग 10 से 20 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी का प्रस्ताव किया है, जिसका मुख्य कारण वेस्ट एशिया में जारी तनाव के चलते दवाओं की मैन्युफैक्चरिंग लागत में भारी उछाल आना है। यह कदम फिलहाल एक अल्पकालिक समाधान के तौर पर उठाया जा रहा है, जिसकी अवधि लगभग तीन महीने तक सीमित रखने पर चर्चा हो रही है। सरकार का उद्देश्य है कि दवा उद्योग को मौजूदा संकट से राहत मिले, लेकिन उपभोक्ताओं पर लंबे समय तक बोझ न पड़े। हालांकि, मरीजों के लिए यह एक बड़ा झटका होगा, जो पहले से ही महंगाई की मार झेल रहे हैं। दवाओं की लागत में यह उछाल मुख्य रूप से खाड़ी देशों से सॉल्वेंट्स की आपूर्ति में बाधा के कारण आया है। ये सॉल्वेंट्स दवा निर्माण प्रक्रिया में जरूरी रसायनों को घोलने, शुद्ध करने और प्रोसेस करने में उपयोग होते हैं। ईरान युद्ध और पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण इन रसायनों की आवक कम हो गई है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में इनकी कीमतें आसमान छू रही हैं। दवा कंपनियों का कहना है कि इनपुट लागत में तेजी से बढ़ोत्तरी और मार्जिन पर दबाव के कारण उनका उत्पादन प्रभावित हो रहा है। उद्योग संगठनों जैसे ओपीपीआई और आईपीए ने सरकार से मूल्य समायोजन की मांग की है, ताकि त्पादन को बनाए रखा जा सके। कुछ उद्योग समूहों ने तो 50 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की मांग भी रखी थी। दवा निर्माताओं ने चेतावनी दी है कि यदि कीमतों में वृद्धि नहीं की गई, तो कई आवश्यक दवाओं का उत्पादन आर्थिक रूप से घाटे का सौदा बन जाएगा और उन्हें उत्पादन रोकना पड़ सकता है। इससे बाजार में दवाओं की कमी हो सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार यदि यह स्थिति दो से तीन महीने तक बनी रहती है, तो दवा उत्पादन पर व्यापक असर पड़ सकता है। सरकार ऐसे प्रावधानों की जांच कर रही है जिनके तहत असाधारण परिस्थितियों में दवा कीमतों में बदलाव किया जा सकता है। मंजूरी मिलने पर यह बढ़ी हुई कीमत सीधे खुदरा बाजार में लागू होगी।